भाद्रपद शुक्ल पक्ष पूर्णिमा संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 65 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
07 सितंबर 2025 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
30 अधिकतम
27 न्यूनतम

Page-7

सियासत की पिच पर 'लूज' गेंद फेंकने की रवायत

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

पार्ट -1

क्रिकेट के मैदान में इन दिनों तो अच्छी गेंदों पर भी माहिर बल्लेबाज चौके-छक्के उड़ा देते हैं। लेकिन 'लूज' पर चौके-छक्के लगते हैं तो तो गेंदबाज आलोचना का पात्र बनता है। इससे उलट 'लूज' गेंद पर कोई बल्लेबाज छक्का मारने के बजाए आउट हो जाए तो फिर उसकी भी शामत आ जाती है। फुटबाल के संदर्भ में कहें तो 'सेल्फ गोल' का प्रचलन भी सियासत में है। कांग्रेस ज्यादा वक्त सत्ता में रही तो उसकी सियासी भूलों की चर्चा ज्यादा होती है। भाजपा का राज कम रहा तो गलतियों की चर्चा भी कम हुई। राहुल गांधी अक्सर सेल्फ गोल करने या लूज बॉल डालने के चलते विरोधियों के निशाने पर रहते हैं। सोशल मीडिया पर भी मखौल उड़ता है। लंबे समय तक देश के कुछ सूबों में सत्तारूढ़ रहे क्षेत्रीय दलों ने भी लूज गेंदे फेंकी लेकिन उन पर चौके छक्के लगाने का मौका भाजपा और कांग्रेस ने गंवाया। सियासत के मौजूदा मैदानों पर बनी पिच पर चौके - छक्के लगाने का मौका चूकने या अच्छी गेंदों पर गलत शाट खेलकर आउट होने की यह रवायत इतिहास के उन पन्नों को पलटने और उलटने का मौका दे रही हैं, जो भाजपा लाख जतन करके भी नहीं कर सकी थी।

अभी बिहार विधानसभा चुनाव है, इसलिए बात वहीं से शुरू करते हैं। जो बूढ़े पुराने लोग हैं वो सियासी इतिहास की उन गल्तियों को याद करें और उस नई पीढ़ी को बताएं जो उससे अनजान है। बिहार में सघन पुनरीक्षण अभियानमें 65 लाख वोट वोट कटने पर तेजस्वी यादव से लेकर राहुल गांधी ने इसे वोट चोरी से जोड़ा। वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगवाए। इसके पहले सभी दल उस ईवीएम पर हार की तोहमत लगाते थे जिसकी कल्पना खुद कांग्रेसी सरकारों ने की और उन्हीं के कार्यकाल में इसकी शुरूआत हुई। टी. एन शेषन इसे लेकर आए जिन्हें कांग्रेस ने ही मुख्य निर्वाचन आयुक्त बनवाया था। लेकिन जब कांग्रेस लगातार हारने लगी तो इसका ठीकरा उसी ईवीएम पर फोडने़ का सिलसिला शुरू हो गया। लेकिन जब इसी ईवीएम के चलते वो जीते तो चुप्पी साधने लगे।

ईवीएम के आलोचक दलों को देर से ही सही समझ में आ गया कि ईवीएम का शस्त्र कारगर नहीं हो रहा, तो अपने गिरेबान में झांकने के बजाए यह सोच पनपी कि फिर ठीकरा किस पर फोड़ा जाए। बिहार में एसआईआर के दौरान तैयार वोटरों के मसौदे में से 65 लाख वोट कम होने या कटने को देखकर उन्हें लगा कि यह बड़ा मुद्दा बन सकता है। फिर क्या, लगे हाथ निर्वाचन आयोग को सियासत की पिच पर खींचकर लाने की कोशिश हुई। वोट चुराओ आयोग जैसा तमगा दिया। केंद्र में सरकार भाजपा की है तो उसको भी लपेटे में ले लिया। लेकिन इसका पलटवार कांग्रेस पर भारी पड़ने लगा है। सवाल यह उठा कि पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एमएस गिल को राज्यसभा में भेजने और केंद्र में मंत्री कांग्रेस ने आखिर किसलिए बनाया? कांग्रेस ने अयोध्या में राम मंदिर का फैसला सुनाने वाली बेंच की अगुआई करने वाले सुप्रीम कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस गोगई का मुद्दा छेड़ा , लेकिन यह मसला जनभावना से जुड़े होने के चलते कांग्रेस इसे ज्यादा लंबा नहीं खींच पाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को गाली देने वाला कांग्रेसी नहीं है। लेकिन गाली कांग्रेस और राजद के स्वागत मंच से दी गई। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव यदि तुरंत इसकी निंदा करते या खेद जता देते तो इससे उनकी तौहीन नहीं होती । भाजपा को बिहार ही नहीं पूरे देश की आधी आबादी या नारी के अपमान से जोडने़ का मौका नहीं मिलता। वैसे भी कांग्रेस सहित विपक्ष के नेता नरेंद्र मोदी को मुख्यमंत्री बनने से लेकर प्रधानमंत्री रहते तक 92 प्रकार के गालीनुमा विशेषणों से नवाज चुके और उसका नुकसान भी हुआ। मोदी को मजबूत होने का मौका भी मिला। लेकिन विरासत में जो मिलता है, उससे हटना मुश्किल होता है और वही हुआ भी। विरासत में यही मिला है कि सत्ता का हकदार तो केवल उनका परिवार है।

(बाकी चर्चा आगामी अंक में) - जारी

बिहार को बीड़ी से जोड़ना और रफू की कोशिश

जीएसटी में अति धनवानों (अल्ट्रा रिच) के उपयोग की चीजों के साथ सिगरेट, तंबाकू और शराब पर जीएसटी 28 से बढ़ाकर 40 हो रहा है जिसे सिन प्रोडक्ट भी कहते हैं। लेकिन गरीब की बीड़ी पर 28 से 18 फीसदी टैक्स कांग्रेस को चुभ गया। केरल के पूर्व कांग्रेसी विधायक और सोशल मीडिया के प्रमुख ने बीड़ी और बिहार को 'बी 'अक्षर से जोड़ते हुए बिहारियों पर तंज कसा तो भाजपा ने इसे हाथों हाथ लपककर इसे बिहार की जनता के अपमान से जोड़ दिया। कांग्रेस ने इस सियासी गलती पर रफू करने की कोशिश की है। देखें कितनी कामयाबी मिलती है। तेलंगाना और तमिलिनाडू के मुख्यमंत्री को वोट अधिकार यात्रा के दौरान अपने साथ घुमाने पर जन सुराज पार्टी के प्रशांत कुमार उन्हें पहले ही घेर चुके थे। प्रशांत का कहना है कि राहुल और तेजस्वी चुन-चुनकर ऐसे लोगों को बिहार में घुमा रहे हैं जो बिहारी लोगों पर अभद्र टिप्पणी करने के लिए बदनाम हैं। इसी तरह वोट चोरी ने कांग्रेस के जमाने में चलते बैलेट बाक्स से चुनाव के दौरान होने वाली वोटों की लूट और डकैती की याद दिला दी। लोग इतिहास के पन्ने खंगालकर ले आए कि पंडित जवाहरलाल नेहरू (जिन्हें राहुल गांधी अपने परदादा कहते हैं जो वास्तव में उनके परनाना थे। परदादा तो इंदिरा जी के ससुर यानि फिरोज गांधी के पिता हैं।) ने किस तरह यूपी के तत्कालीन मुख्यमंत्री गोविंद वल्लभ पंत पर दवाब डालकर हारे हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री मौलाना अब्दुल कलाम आजाद को जितवाया था। अब इसे वोट चोरी कहा जाए या वोटरों के हकों पर डकैती समझा जाए, यह बात मैं अपने पाठकों पर छोड़ता हूं।

पंजाब में 2000 गांवों में बर्बादी : 9 सितंबर को मोदी का दौरा, दे सकते हैं स्पेशल पैकेज

उत्तराखंड में फिर फटा बादल, भीषण बाढ़ झेल रहे पंजाब को पीएम मोदी से उम्मीद

लुधियाना/देहरादून, शिमला, एजेंसी

देश का उत्तरी हिस्सा अब तक की भीषणतम बाढ़ त्रासदी झेल रहा है। हिमाचल में अब तक 350 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि पंजाब में 46 लोगों ने जान गवां दी है। यहां बारिश का पिछले 37 सालों का रिकॉर्ड टूट गया है। उधर, उत्तराखंड के उत्तरकाशी में एक बार फिर बादल फटा जिससे भारी नुकसान की खबर है। पंजाब में करीब दो हजार गांव में भारी बर्बादी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितम्बर को पंजाब के दौरे पर जाएंगे। वे बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेने के साथ ही स्पेशल पैकेज की घोषणा भी कर सकते हैं।

पंजाब में मरने वालों की संख्या 46 हुई

पंजाब दशकों में आई सबसे भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण सतलुज, ब्यास और रावी नदियों तथा मौसमी नालों के उफान के चलते यह स्थिति बनी है। इसके अलावा, हाल के दिनों में पंजाब में हुई भारी बारिश ने हालात को और गंभीर कर दिया है, जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है, जबकि 1.75 लाख हेक्टेयर

भूमि पर खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं। तकरीबन साढ़े तीन लाख लोग बाढ़ प्रभावित बताए जा रहे है। राज्य के गुरदासपुर, अमृतसर और पठानकोट में ज्यादा नुकसान हुआ है। इनमें सबसे ज्यादा पठानकोट का इलाका प्रभावित हुआ है। पंजाब में बाढ़ से बेहद खराब हालात को देखते हुए पंजाब सरकार ने पूरे राज्य को आपदा प्रभावित घोषित किया है।

अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), सेना, सीमा सुरक्षा बल, पंजाब पुलिस और जिला प्रशासन द्वारा राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन (24 जुलाई से लेकर 7 अगस्त) तक बारिश-बाढ़, लैंडस्लाइड से जुड़ी घटनाओं में 366 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य सरकार को 4 लाख करोड़ की संपत्ति का नुकसान भी हुआ है। शिमला में 116 फीसदी और कुल्लू में 113 फीसदी बारिश हुई, जो सामान्य से दोगुनी है। मौसम विभाग ने आज महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान में बारिश का रेड अलर्ट, गोवा में ऑरेंज और मप्र- बिहार समेत 20 राज्यों में यलो अलर्ट जारी किया है।

यूपी के इटावा में भी बाढ़

इटावा के चकरनगर क्षेत्र में चंबल और यमुना नदियों का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ आ गई है। यमुना चेतावनी बिंदु 120.92 मीटर को पार कर 121.66 मीटर तक पहुंच गई है, जो खतरे के निशान से मात्र 26 सेंटीमीटर नीचे है। बाढ़ से 7 गांवों के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। सिद्धनाथ मंदिर और कई प्रमुख मार्ग जलमग्न होकर बंद हो गए हैं।

थाने से ऑनलाइन साक्ष्य का विरोध

दिल्ली में कल से शुरू होगी वकीलों की हड़ताल

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की सभी जिला अदालतों की बार एसोसिएशन की समन्वय समितियों ने साफ कर दिया है कि वकीलों की आठ सितंबर से शुरू होने वाली हड़ताल को न तो टाला जाएगा और न ही वापस लिया जाएगा। यह हड़ताल पुलिस द्वारा थानों से ही ऑनलाइन माध्यम से अदालत में साक्ष्य पेश करने के मुद्दे को लेकर हो रही है। नई दिल्ली बार एसोसिएशन (एनडीबीए) की ओर से जारी सूचना के मुताबिक, समिति ने बैठक में मुद्दा उठा कि पुलिसकर्मियों को गवाही, साक्ष्य के लिए अदालतों में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होना चाहिए, न कि ऑनलाइन। सूचना में कहा गया, ''हम अपनी मांग पर अडिग हैं और दोहराते हैं कि पुलिसकर्मियों को गवाही, साक्ष्य के लिए अदालतों में प्रत्यक्ष रूप से ही उपस्थित होना होगा।'' एनडीबीए सचिव तरुण राणा ने बताया कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष का एक पत्र मिला। यह पत्र दिल्ली की सभी जिला अदालतों के बार एसोसिएशन के अध्यक्षों और सचिवों को संबोधित था। एनडीबीए सचिव तरुण राणा ने बयान में आगे कहा कि ''यह सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि यदि गवाही, साक्ष्य पेश करने के लिए सभी पुलिस अधिकारियों की अदालत में व्यक्तिगत उपस्थिति सुनिश्चित नहीं की जाती, तो हम आठ सितंबर से अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार के अपने निर्णय पर कायम रहेंगे।

रूस ने कीव पर बरसाए ड्रोन और मिसाइलें, दो की मौत-15 घायल

कीव, एजेंसी

यूक्रेन की राजधानी कीव पर अल सुबह हुए एक बड़े रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। इस दौरान लोगों ने कीव के कैबिनेट भवन की छत से धुएं का गुबार उठता देखा, लेकिन यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या यह धुआं सीधे हमले का नतीजा था। रूस अब तक शहर के केंद्र में सरकारी इमारतों को निशाना बनाने से बचता रहा है, लेकिन अब इन्हें भी नहीं छोड़ रहा है। यह इमारत यूक्रेन के मंत्रिमंडल का मुख्यालय है, जहां उसके मंत्रियों के कार्यालय स्थित

हैं। दमकल गाड़ियों और एम्बुलेंस के पहुंचने पर पुलिस ने इमारत में प्रवेश बंद कर दिया। रविवार का हमला पिछले दो हफ्तों में कीव को निशाना बनाकर किया गया दूसरा बड़ा रूसी ड्रोन और मिसाइल हमला है।

ऑपरेशन सिंदूर लिखने पर एफआईआर से भाजपा में उबाल, कहा... यह देशद्रोह

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

केरल के कोल्लम जिले में पार्थसारथी मंदिर के बाहर बने पूक्कलम (फूलों की सजावट) में आरएसएस का झंडा और ऑपरेशन सिंदूर लिखे जाने को लेकर आरएसएस और बीजेपी कार्यकर्ताओं के खिलाफ सस्तमकोट्टा पुलिस ने केस दर्ज किया है। इस घटना पर केरल बीजेपी प्रमुख राजीव चंद्रशेखर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और कहा कि कार्यकर्ताओं पर एफआईआर दर्ज करना शर्मनाक और देशद्रोह है। अधिकारियों ने साफ किया कि एफआईआर ऑपरेशन सिंदूर शब्द को लेकर नहीं, बल्कि खास तौर पर आरएसएस का झंडा लगाने को लेकर है। चंद्रशेखर ने लिखा, ऑपरेशन सिंदूर हमारी शान है। यह भारत की सेना के साहस और वीरता का प्रतीक है। पुलिस का कहना है कि पहले ही सीपीआई (एम) और बीजेपी दोनों पक्षों से कहा गया था कि पूक्कलम में किसी भी तरह का राजनीतिक झंडा या प्रतीक इस्तेमाल न करें, क्योंकि क्षेत्र में पहले से तनाव की स्थिति है। दोनों दल इस शर्त पर सहमत भी हो गए थे।

झारखंड: मुठभेड़ में मारा गया 10 लाख रुपए का इनामी नक्सली

रांची, एजेंसी

गोइलकेरा आराहासा पंचायत के रेला गांव स्थित बुरजूवा पहाड़ी के पास सुबह से पुलिस और माकपा माओवादियों नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ में 10 लाख का इनामी नक्सली जोनल कमांडर अमित हांसदा उर्फ अपटन मारा गया है। एसपी राकेश रंजन ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। चाईबासा पुलिस कप्तान के मुताबिक गोइलकेरा थाना क्षेत्र में रेला पराल क्षेत्र में नक्सली संगठन के सक्रिय सदस्यों को पकड़ने पुलिस व सीआरपीएफ टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। पुलिस पर

नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। सुरक्षाबलों द्वारा पूरे पहाड़ी क्षेत्र को घेर कर नक्सलियों के भागने के रास्ते बंद करने की कोशिश की जा रही है। चाईबासा एसपी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं ।

मेट्रो एंकर

वीजा नहीं, फॉर्म आई-94 की 'प्रवेश की अंतिम तिथि' तक ही अमेरिका में रहना वैध

अमेरिकी दूतावास ने चेताया, ट्रैवल प्लान करने वाले रहें सावधान

नई दिल्ली, एजेंसी।

अमेरिका में रहने वाले या वहां जाने की योजना बना रहे भारतीयों के लिए महत्वपूर्ण चेतावनी जारी की गई है। नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर एक पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी है। अमेरिकी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, अमेरिका में अपने अधिकृत प्रवास की अवधि से अधिक समय तक रहना अमेरिकी आव्रजन कानून का उल्लंघन है और इसके भविष्य में गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

अमेरिकी दूतावास ने विशेष रूप से यह स्पष्ट किया है कि अमेरिका में रहने की आपकी अधिकृत अवधि आपके वीजा की समाप्ति तिथि पर निर्भर नहीं करती है, बल्कि यह आपके फॉर्म आई-94 पर लिखी गई 'प्रवेश की अंतिम तिथि' पर आधारित होती है। बता दें कि यह एक ऐसा बिंदु है जिस पर अक्सर लोग भ्रमित हो जाते हैं और इसी कारण अनजाने में कानून का उल्लंघन कर बैठते हैं। दूतावास ने इस गंभीर गलती से बचने के लिए एक सीधा उपाय भी सुझाया है। 'एक्स' पोस्ट में कहा गया है कि लोग अपनी 'प्रवेश की अंतिम तिथि' की जांच 'आई 94 डॉट सीबीपीडॉटडीएचएस डॉटजीओवी' की वेबसाइट पर कर सकते हैं।

ओवरस्टे को लेकर यात्री बरतें सावधानी

यह वेबसाइट अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (सीबीपी) की ओर से संचालित की जाती है और यहां पर आपकी यात्रा से संबंधित सभी जानकारी उपलब्ध होती है। इस आसान कदम से आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आप कानूनी रूप से अपनी स्वीकृत अवधि के भीतर ही अमेरिका में रहें। कई लोग इस चेतावनी का मुख्य उद्देश्य लोगों को 'ओवरस्टे' (अधिक समय तक रुकना) के जोखिमों के प्रति जागरूक करने के रूप में देख रहे हैं। अमेरिकी आव्रजन कानूनों (इमीग्रेशन लॉ) के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति अपने आई-94 फॉर्म में दी गई तारीख के बाद भी अमेरिका में रहता है, तो इसे 'ओवरस्टे' माना जाता है। अमेरिकी दूतावास का यह ट्वीट ऐसे समय में आया है जब भारत से बड़ी संख्या में छात्र, पर्यटक और कामगार अमेरिका जा रहे हैं।

आज का कार्टून

ओणम का आयोजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। यूनाइटेड मलयाली एसोसिएशन ने भोपाल के केंद्र में केरल की समृद्ध परंपराओं को लाते हुए, एक शानदार ओणम उत्सव की मेजबानी की। सामुदायिक भावना और सांस्कृतिक संरक्षण का प्रमाण, इस कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की और युवाओं और परिवारों की मजबूत उपस्थिति के साथ, इसमें अभूतपूर्व भीड़ उमड़ी। सहकारिता मंत्री, विश्वास सारंग ने समारोह का उद्घाटन किया और शहर के सांस्कृतिक मोज़ेक को समृद्ध करने में ऐसे आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, यह देखकर वास्तव में खुशी हो रही है कि भोपाल में मलयाली समुदाय इस उत्सव को इतनी भव्यता और उत्साह के साथ कैसे मनाता है। केरल की सांस्कृतिक परंपराएं और जीवंत उत्सव हमारे शहर की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक ताने-बाने में इजाफा करते हैं। जिस तरह से आपने अपनी परंपराओं को स्थानीय संस्कृति के साथ सहजता से जोड़ा है, वह हमारे समाज में व्याप्त सद्भाव और एकता को खूबसूरती से दर्शाता है। अपने स्वागत भाषण में, यूएमए अध्यक्ष ओडी जोसेफ ने सभा का गर्मजोशी से स्वागत किया, और त्योहार के गहरे अर्थ और समुदाय के सामूहिक प्रयास को दर्शाया। श्री जोसेफ ने कहा, इस साल, उत्सव विशेष रूप से खास हैं क्योंकि हम भागीदारी में एक मजबूत उछाल देखते हैं, खासकर हमारे युवाओं और सांस्कृतिक संगठनों से। जटिल पूकलम और मेगा थिरुवाथिरा से लेकर भव्य ओणम साध्या और जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक, सप्ताह भर चलने वाला आयोजन हमारी एकता और सामूहिक शक्ति को दर्शाता है। हमारे लिए ओणम सिर्फ एक त्योहार से कहीं ज्यादा है; यह समानता और एकजुटता के हमारे मूल्यों की पुष्टि है।

4-5 लाइट एक साथ आईं तब भी सटीक नियंत्रण, हो सकेगी मॉनिटरिंग

चेकोस्लोवाकिया के रडार से अपग्रेड होगा भोपाल एयरपोर्ट

भोपाल, दोहपर मेट्रो

इंटरनेशनल लाइट्स के लिए तैयार राजा भोज एयरपोर्ट पर जल्द ही मोनोपल्स सेकेंडरी सर्विलांस रेडार (एमएसएसआर) सिस्टम की शुरुआत होगी। चेकोस्लोवाकिया की मॉडर्न तकनीक वाले एमएसएसआर रडार से एक साथ दो या अधिक लाइट की हर नैनो सेकंड तक की लोकेशन पर नजर रखी जा सकेगी। इस नए सिस्टम की खास बात यह रहेगी कि एक साथ कई लाइट्स के आने पर एटीएस से संवाद (कयुनिकेशन) मिक्स नहीं होगा और हर लाइट की सटीक जानकारी एटीएस को मिलती रहेगी। अभी जो सिस्टम लगा है, उसमें एक साथ ज्यादा लाइट के साथ संवाद में दिक्कत होती है। इससे गफलत की स्थिति बनती है।

सिस्टम के उपकरण भोपाल एयरपोर्ट पर पहुंच गए हैं जिन्हें इंस्टॉल किया जा रहा है। यह रडार राजा भोज एयरपोर्ट के चारों ओर कई किलोमीटर तक की सीमा में आवागमन करने वाली लाइट्स पर नजर रख सकेगा। जब कई विमान एक-दूसरे के बहुत करीब होते हैं या एक ही दिशा में उड़ रहे होते हैं, तो उनसे होने वाली बातचीत का डाटा ओवरलैप हो सकता है। जब ऐसा होता है, तो एयरपोर्ट पर लगाया गया ग्राउंड डिकोडर भ्रमित हो जाता है और उनकी जानकारी गायब हो जाती है। इस समस्या को 'गार्बलिंग' के रूप में जाना जाता है। नए रेडार सिस्टम के लिए बिल्डिंग तैयार हो चुकी है। चेकोस्लोवाकिया से उपकरण आ चुके हैं। जल्द ही यह सिस्टम काम करने लगेगा।

इस तरह मदद करेगा नया सिस्टम

इस नए सिस्टम से यह भ्रम नहीं होगा। यानी अगर भोपाल एयरपोर्ट पर बेंगलुरू, गोवा, हैदराबाद और दिल्ली की लाइट्स एक साथ आ-जा रही हैं, तो एटीएस को हर लाइट की सटीक जानकारी मिलेगी। संवाद में किसी तरह की गफलत नहीं होगी। इस समस्या को 'फूट' के नाम से जाना जाता है। नए रेडार सिस्टम से पहले से लगे हुए एसएसआर की तुलना में संवाद की सटीकता तीन गुना तक बढ़ जाती है।

साल का अंतिम चंद्रग्रहण आज

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भाद्रपद पूर्णिमा पर्व और पितृ पक्ष की शुरुआत के साथ ही आज रात चंद्रग्रहण है, जिससे इसका धार्मिक और ज्योतिषीय महत्व और अधिक बढ़ गया है। ज्योतिषाचार्य रजनी निखिल नंदा के मुताबिक पंचांग के अनुसार चंद्रग्रहण का आरंभ रात 9 बजकर 58 मिनट पर होगा और इसका समापन 7-8 सितंबर की मध्यरात्रि 1 बजकर 26 मिनट पर होगा। इस ग्रहण की कुल अवधि 3 घंटे 26 मिनट रहेगी। ग्रहण का खग्रास चरण 11 बजकर 1 मिनट पर प्रारंभ होकर 1 बजकर 23 मिनट पर समाप्त होगा, जबकि मध्यकाल 11 बजकर 42 मिनट पर रहेगा। विशेष बात यह है कि चंद्रमा 8 बजकर 58 मिनट पर ही धुंधला होना शुरू कर देगा। ग्रहण शुरू होने से 9 घंटे पूर्व, यानी दोपहर 12 बजकर 57 मिनट पर सूतक काल प्रारंभ हो जाएगा। सूतक काल में मंदिरों के कपाट बंद रहेंगे और कोई भी पूजा-पाठ या शुभ कार्य नहीं किए

जाएंगे। यह चंद्रग्रहण भारत में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। इसके अतिरिक्त यूरोप, संपूर्ण एशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अफ्रीका, पश्चिमी उत्तरी अमेरिका तथा दक्षिण अमेरिका के कई क्षेत्रों में भी इसका दर्शन होगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार ग्रहण काल में जप, ध्यान और मंत्रोच्चारण का विशेष महत्व होता है। वहीं, ग्रहण के बाद स्नान और दान-पुण्य करना शुभ माना जाता है।

राजनीतिक व अधिकारियों के बीच सार्थक संवाद हो

कर्मचारी संगठनों ने मुख्य सचिव से सख्त कदम उठाने की मांग

भोपाल। प्रदेश में अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बहस, झड़प और मारपीट की घटनाएं आए दिन सामने आ रही हैं। इस पर लगाम लगना चाहिए और अधिकारियों तथा राजनेताओं के बीच सार्थक संवाद के लिए शासन स्तर पर दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि किसी प्रकार की विवाद की स्थिति ना बने। पिछले दिनों भिंड के कलेक्टर और वहां के विधायक के बीच हुए वाद-विवाद हुआ था। जिस पर आज दिनांक तक कोई एक्शन नहीं लिया गया है। इसके को लेकर राज्य शासकीय कर्मचारी अधिकार संरक्षण संघ मुख्य सचिव अनुराग जैन से मिला और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में संगठन के अध्यक्ष शील प्रताप सिंह पुंढीर, उपाध्यक्ष भगवान सिंह ठाकुर, महामंत्री व्यास मुनि चौबे और जिलाध्यक्ष प्रणव खरे समेत अन्य कर्मचारी नेताओं ने बताया कि लोकसेवकों को नीति-नियमों एवं प्रावधानों के अनुरूप कर्तव्यों का निर्वाह करना होता है। ऐसे में उन्हें दबावमुक्त बनाना होगा। लोक सेवकों के साथ राजनीतिक गुंडागर्दी गैर संवैधानिक और निंदनीय है। आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो, इसके लिए कोई ठोस कदम उठाए जाएं। संघ नेताओं ने बताया कि इसके पूर्व भी प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से विवाद की खबरें आ चुकी हैं। पूर्व कालखंड में भिंड नगर निगम के सिटी इंजीनियर के साथ निगम परिषद में मारपीट हुई थी। उज्जैन में कॉलेज प्रोफेसर सभरवाल की छात्रों द्वारा मारपीट कर की गई। इंदौर समेत अन्य जिलों में भी लोक सेवकों के साथ विवाद किया गया। पूर्व में तत्कालीन मुख्य सचिव राकेश साहनी को भी ज्ञापन सौंपा गया था। संगठन ने राज्य सरकार से लोक सेवकों की सुरक्षा को लेकर शख्त कदम उठाए जाने की मांग की है।

युवा हिंदू मंच ने किया झांकियों को पुरस्कृत

हिरदाराम नगर, दोहपर मेट्रो

इस साल शहर में चल रहे एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण कार्य को देखते हुए, युवा हिंदू मंच ने अपना मंच नहीं लगाया, बल्कि झांकी समितियों को उनके पंडालों में जाकर सम्मानित करने का फैसला किया। मंच ने बैठक में तय किया था कि वे हर झांकी पंडाल में जाकर सभी सदस्यों का स्वागत और सम्मान करेंगे। इस फैसले के तहत, युवा हिंदू मंच के सदस्यों ने शहर की सभी झांकियों में जाकर समिति के सदस्यों को पुरस्कृत किया और उनका सम्मान किया। इस अवसर पर, युवा हिंदू मंच के संयोजक और भाजपा भोपाल जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी, सूरज यादव, शेट्टी चंदनानी, लविन मनसुखानी, और कमल विधानी सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

शिक्षा ही वह धन है जिसे कोई चुरा नहीं सकता - सिद्धभाऊ

साधु वासवानी स्कूल में शिक्षक सम्मान समारोह

हिरदाराम नगर. साधु वासवानी स्कूल में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, भारत माता, माँ सरस्वती और संत जी की मूर्तियों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित किया गया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि शिक्षक का पेशा धन कमाने का साधन नहीं, बल्कि कर्तव्य पालन का है। उन्होंने शिक्षकों से गर्व के साथ इस पेशे को अपनाने और बच्चों को अच्छे संस्कार देने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों को तकनीकी के साथ-साथ स्कूली शिक्षा से भी जोड़े रखना चाहिए। संतजी के उत्तराधिकारी सिद्ध भाऊजी ने कहा कि शिक्षा ही वह धन है जिसे कोई चुरा नहीं सकता और शिक्षित व्यक्ति ही अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। उन्होंने छात्रों को समय सारिणी बनाकर एकाग्रता से पढ़ाई करने की सलाह दी, जिससे उन्हें सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि माता-पिता और गुरुजन हमें हमेशा आगे बढ़ते देखना चाहते हैं, इसलिए उनके प्रति हमेशा श्रद्धा का भाव रखना चाहिए। देशभक्त कर्नल नारायण पारवानी ने शिक्षकों

के पेशे को गर्व का पेशा बताते हुए कहा कि वे ही विद्यार्थियों के भविष्य के निर्माता हैं। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ मानवीय मूल्यों और खेल-कूद के लिए भी प्रेरित करने का आग्रह किया। कन्हैयालाल रामनानी ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में, लगभग 100 शिक्षक-शिक्षिकाओं को बुके और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

मेट्रो एंकर

सिंगापुर में सिंधी सेंट्रल पंचायत का अधिवेशन

भारत में अलग प्रांत न मिलना सिंधियों का दुर्भाग्य

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संस्था सिंधी सेंट्रल पंचायत ने सिंधी समाज के लोगों से अपनी मातृभाषा में बातचीत करने की अपील की। पंचायत के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश इसरानी ने जोर देकर कहा कि अगर समाज को जीवित रखना है तो हर सिंधी को अपने परिवार में सिंधी भाषा का उपयोग करना होगा, अन्यथा समाज का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। यह सम्मेलन पहली बार सिंगापुर के सिंधु भवन में आयोजित किया गया, जिसमें सिंगापुर सिंधी एसोसिएशन के अध्यक्ष हैरी गुरनानी और उपाध्यक्ष वासु चंदीरामानी भी शामिल हुए। सम्मेलन में चंद्रप्रकाश इसरानी ने कहा कि भारत में अलग प्रांत न मिलना सिंधियों का दुर्भाग्य है, लेकिन यह गर्व की बात है कि आर्थिक विकास में समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने समाज से अपने बच्चों को आईएएस और आईपीएस

बनाने, बेटियों को घरेलू कामों में दक्ष करने और कारोबार को बढ़ाने का आग्रह किया। सिंधी सेंट्रल पंचायत के संयोजक कन्हैयालाल इसरानी ने कहा कि यदि कारोबार अच्छा है तो बच्चों को उसमें लगाएं, उन्हें विदेश न भेजें और अच्छे संस्कार दें ताकि वे अपने माता-पिता की सेवा कर सकें।

पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी ने सरकारों से सिंधी समाज की उपेक्षा न करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 78 साल बाद भी समाज को पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिली हैं, इसलिए अब भारत सरकार को नौकरियों और नगर निगम, विधानसभा तथा लोकसभा में 10त्न आरक्षण देना चाहिए। इस सम्मेलन में दुबई के समाजसेवी दिलीप भोजवानी ने मातृभाषा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया, जबकि बनारस के हंसराज टहलियानी ने आपसी एकता पर जोर दिया। लखनऊ के सिंधी पंडित अशोक शर्मा ने सिंधी लिपि में छपने वाली पत्रिकाओं का हिंदी में छपने पर चिंता जताई, क्योंकि सिंधी और देवनागरी लिपि के पाठक कम हो गए हैं। इस दौरान, झूलेलाल की टोपी और लाल गमछे से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

'पुस्तक दान व आदान-प्रदान' अभियान

हिरदाराम नगर. संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में 3 और 4 सितंबर को एपेक्स एस.डी.जी. के सहयोग से एक खास 'पुस्तक दान और आदान-प्रदान' अभियान चलाया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ज्ञान को बाँटने की संस्कृति को बढ़ावा देना और छात्राओं को जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद के लिए प्रोत्साहित करना था। इस दो दिवसीय अभियान में कॉलेज की छात्राओं और प्राध्यापकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और दिल खोलकर किताबें दान कीं। यह अभियान न केवल शिक्षा को बढ़ावा

देता है, बल्कि ज़रूरतमंद विद्यार्थियों तक जरूरी शैक्षणिक संसाधन पहुँचाने में भी मदद करता है। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने इस मौके पर कहा, ÷शिक्षा सिर्फ ज्ञान हासिल करना नहीं, बल्कि उसे दूसरों के साथ साझा करना भी है। यह अभियान हमारे समावेशी विचारों, करुणा और सतत विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। किताबें दान करके हमारी छात्राएं समाज में मदद करने और सामुदायिक भावना को अपना रही हैं। दो दिन चले इस अभियान में बड़ी संख्या में किताबें जमा हुईं, जिन्हें जल्द ही वंचित वर्ग के विद्यार्थियों तक पहुँचाया जाएगा। इस अभियान को सफल बनाने में खुशबू सिंह और सुश्री गीतांशी बुट्टन का अहम योगदान रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुंदेली समागम में किया प्रतिभाओं का सम्मान

कार्यक्रम में मौजूद थे क्रिएटर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बुंदेलखंड की भूमि वीरों की भूमि है। बुंदेली भाषा का निरंतर प्रचार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड की उत्पत्ति से लेकर ऐतिहासिक काल और वर्तमान काल तक शौर्य, साहित्य-सृजन, लोक गीत- संगीत के विकास और कलाओं के उन्नयन की विशेषताओं का उल्लेख किया। सीएम ने बुंदेली समागम में विभिन्न प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया। बुंदेली बौछार मीडिया संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल ने कहा कि बुंदेली संस्कृति और भाषा समृद्ध है। यह निरंतर लोकप्रिय हो रही है। खाद्य एवं नागरिक अपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि आल्हा ऊदल की कथाएं लोकप्रिय हैं। पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने कहा कि बुंदेली कलाकार प्रशंसनीय कार्य कर रहे हैं।

कार्यक्रम में अनेक क्रिएटर और इनफ्लुएंसर उपस्थित थे, जो बुंदेली लोक संस्कृति के प्रचार-प्रसार का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के संयोजक सचिन चौधरी ने बुंदेली भवन की मांग के साथ बुंदेली में फिल्म निर्माण को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत किया गया।अनेक बुंदेली लोक नृत्यों की प्रस्तुति भी हुई। कार्यक्रम में कवयित्री सुअनामिका सहित बड़ी संख्या में बुंदेली भाषा प्रेमी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री आज मऊगंज को देंगे 241.33 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शनिवार को मऊगंज को 241.33 करोड़ रूपये के विकास कार्यों की सौगात देंगे। इसमें प्रमुख रूप से मऊगंज के संयुक्त जिला कार्यालय भवन का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 37 करोड़ 50 लाख रूपये के 16 विकास कार्यों का लोकार्पण और 203 करोड़ 83 लाख रूपये के 6 विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मऊगंज प्रवास के दौरान बहुती प्रपात का अवलोकन करेंगे और देवतालाब में स्थित शिव मंदिर में पूजा-अर्चना भी करेंगे। देवतालाब स्टेडियम में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं में हितलाभ वितरण भी करेंगे। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, राज्यमंत्री लखन पटेल, सांसद जनार्दन मिश्र मौजूद रहेंगे।

रीवा में यूरिया खाद की कमी को लेकर बीते दिनों अन्नदाताओं पर बरसे थे डंडे

सरकार का दावा- खाद भरपूर, फिर भी धरना प्रदर्शन को मजबूर किसान

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश में खाद का संकट इस बार भी किसान झेल रहे हैं। लगभग हर साल हालत यही रहते हैं, लेकिन समस्या का निराकरण नहीं हो पाता। वर्तमान में सरकार का दावा है कि प्रदेश में खाद का स्टॉक भरपूर है। लेकिन हकीकत यह है कि यह किसानों की पहुंच से दूर है। जमीनी हकीकत बताती है कि समस्या दरअसल वितरण व्यवस्था की है।

गौरतलब है कि रीवा में यूरिया खाद की कमी को लेकर बीते दिनों किसानों पर डंडे चले। लेकिन यहां बीते साल की तुलना में करीब 1500 मीट्रिक टन से ज्यादा वितरण हुआ है, जबकि स्टॉक में भी 2 हजार टन से अधिक खाद रखा हुआ है। जबकि खाद संकट को लेकर सवाल करने वाले सांसद गणेश सिंह के सतना में 33 हजार 411 मीट्रिक टन खाद बांटा जा चुका है, जबकि बीते साल 31 हजार 487 मीट्रिक टन का ही वितरण हुआ था। इस जिले के पास अभी भी 2 हजार मीट्रिक टन से अधिक का स्टॉक है। उधर राज्य के कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना के गृह जिले मुरैना में बीते साल की तुलना में करीब 3 हजार टन कम वितरण हुआ है, यह स्थिति तब है जब स्टॉक में 2 हजार टन खाद रखा है।

कई जिलों के कलेक्टर भी जमीनी हकीकत से वाकिफ

वहीं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के संसदीय क्षेत्र गुना में रिकार्ड वितरण होना सामने आया है। यहां 71 हजार 672 टन खाद बांटा जा चुका है जो जबकि बीते साल 54 हजार 282 टन का ही वितरण हुआ था। कुछ केंद्रीय व राज्य के कई कैबिनेट व राज्यमंत्री अपने-अपने गृह व प्रभार के जिलों में खाद होने के बावजूद वितरण कराने में पिछड़ गए हैं। कई जिलों के कलेक्टर जमीनी स्थिति से वाकिफ है और ऑफ़ द रिकॉर्ड रहे हैं कि किसान जितनी मांग कर रहे हैं, उसके मुकाबले खाद ही नहीं है। जब खाद नहीं है तो उपलब्धता सुनिश्चित कराने का सवाल ही नहीं है। खरीफ सीजन में पहले किसान डीएपी के लिए परेशान होते रहे, अब यूरिया के लिए मारामारी हो रही है। यूरिया के लिए किसान रात तीन बजे से कतार में लग रहे और टोकन के बाद भी खाद नहीं मिल रही है। इससे परेशान किसान धरना, प्रदर्शन और चक्काजाम करने को मजबूर हो रहे हैं। प्रदेश में खरीफ 2025 के लिए 36 लाख मीट्रिक टन से अधिक खाद वितरण का लक्ष्य रखा गया है, इसमें यूरिया की खपत 17.40 लाख मीट्रिक टन बताई जा रही है, एसएसपी के लिए 6.50 लाख मीट्रिक टन, डीएपी के लिए 7.50 लाख मीट्रिक टन, एमओपी के लिए 5 हजार मीट्रिक टन और एनपी के के लिए 86 हजार मीट्रिक टन की डिमांड है।

सांसद गणेश सिंह भी उठा चुके हैं खाद संकट का मुद्दा

खाद संकट के कारन करहिया मंडी में भी बीते दिनों किसानों और प्रशासन के बीच तनाव पैदा हो गया। पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। सतना सांसद गणेश सिंह ने खाद वितरण व्यवस्था को लेकर लिखे पत्र में कालाबाजारी की बात कही थी। हालाकि समस्या बताने पत्र तो लिखा, लेकिन कुछ देर बाद वे पलट गए और व्यवस्था पर संतोष भी जता दिया। पन्ना के देवेंद्रनगर में खाद की कमी और टोकन न देने के कारण किसानों और महिलाओं ने सलेहा सडक़ जाम कर दी और नारेबाजी की थी। पुलिस ने समझाइश देकर जाम खुलवाया था। भिंड में खाद को लेकर भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह और कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के बीच विवाद हो हुआ था। लाइन में लगे किसान भी आपस में भिड़ गए थे।

सिंघार के बयान पर नरोत्तम का हमला

हिंदुओं व सनातन को गाली देने वालो को ही कांग्रेस में मिलता है पद

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस नेता एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के आदिवासियों को लेकर दिए गए बयान पर कड़ा प्रहार किया है। मिश्रा ने कहा कि सिंघार का बयान कांग्रेस की मानसिकता को उजागर करता है, जो समाज में फूट डालने की नीति पर आधारित है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अंग्रेजों की ही तरह 'फूट डालो और राज करो' की रणनीति पर चल रही है।

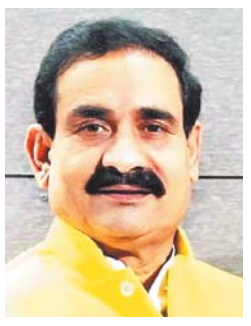

डॉ. मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस में वही नेता आगे बढ़ते हैं जो सनातन धर्म और हिंदुत्व का विरोध करते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि राहुल गांधी और मणिशंकर अय्यर जैसे नेता पहले भी हिंदू धर्म पर सवाल उठाते रहे हैं। तमिलनाडु के डीएमके नेता द्वारा सनातन धर्म को डेंगू की तरह बताने वाले बयान का हवाला देते हुए मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस इसी परंपरा को निभा रही है।

उन्होंने कहा कि उमंग सिंघार का ÷हम आदिवासी हैं, हिंदू नहीं÷ जैसा बयान न केवल निंदनीय है, बल्कि समाज को बांटने की सोची-समझी साजिश का हिस्सा है। मिश्रा ने आरोप लगाया कि सिंघार पद बचाने के लिए कांग्रेस हाईकमान को खुश करने में लगे हैं और इसलिए ऐसे विवादित बयान दे रहे हैं।

कांग्रेस का रहा है ऐसा इतिहास

डॉ. मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास रहा है कि जब भी उसे सत्ता से दूरी मिलती है, वह समाज को विभाजित करने का प्रयास करती है। आदिवासियों को लेकर दिया गया यह बयान भी उसी सोच का प्रमाण है। मिश्रा ने इसे गंभीर अपराध बताया और कहा कि इस तरह के प्रयासों को जनता समझ रही है और आने वाले समय में कांग्रेस को इसका करारा जवाब मिलेगा।

गिद्ध संरक्षण पर हुई एक दिवसीय कार्यशाला

वन विहार में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध दिवस, हुए जागरूकता कार्यक्रम

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इण्डिया, बीएनएचएस के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस के अवसर पर विभिन्न जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन वन विहार स्थित विहार वीथिका में किया गया। इसका उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र में गिद्धों की महत्त्वपूर्ण भूमिका और उनके संरक्षण की तात्कालिक आवश्यकता के बारे में आमजन को जागरूक करना था। अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध दिवस प्रतिवर्ष माह सितम्बर के प्रथम शनिवार को मनाया जाता है।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में स्थित विहार वीथिका में अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध दिवस के अवसर पर गिद्ध संरक्षण एवं संवर्धन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला हुई, जिसमें 30 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। इसमें गिद्ध संरक्षण एवं संवर्धन विषय पर जानकारी के साथ गायों के उपचार में डायक्लोफेनिक दवा का उपयोग न करने एवं अन्य विषयों पर विषय-विशेषज्ञों द्वारा जानकारी उपलब्ध कराई गई। सहायक संचालक वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल डॉ. रूही हक द्वारा कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया। भोपाल बर्ड्स के मो. खालिक, डॉ. संगीता राजगीर तथा सहायक वन्यप्राणी चिकित्सक वन विहार डॉ. हमजा नदीम फारूकी ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से गिद्ध प्रजाति एवं उनके महत्व और पारिस्थितिकीय तंत्र में गिद्धों की महत्वपूर्ण भूमिका तथा गायों के उपचार में डायक्लोफेनिक दवा का उपयोग से होने वाली हानियों की जानकारी दी गई।

पन्नी से पक्षी विषय पर होगी राज्य स्तरीय कला प्रतियोगिता

कार्यक्रम में संरक्षण को सतत विकास से जोड़ने और गिद्धों के स्वास्थ्य के लिए प्लास्टिक प्रदूषण से खतरे पर प्रकाश डाला गया। वन विभाग द्वारा राज्य-स्तरीय कला प्रतियोगिता 卐पन्नी से पक्षी卐 की भी घोषणा की। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों और कलाकारों को प्लास्टिक कचरे से गिद्धों के मॉडल बनाने के लिए आमंत्रित किया गया है, जिन्हें वन्यप्राणी सप्ताह-2025 के दौरान प्रदर्शित किया जाएगा।

एमएसएमई को सौंपने का हुआ है फैसला

कैबिनेट की मुहर के खिलाफ कंसाना बोले - शुरू होगा शक्कर कारखाना

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मुरैना जिले के कैलारस में शक्कर कारखाने को लेकर नया बयान सामने आया है। मप्र के कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना ने कहा कि कैलारस का शक्कर कारखाना चालू होगा। मंत्री का यह बयान मोहन सरकार के हालिया कैबिनेट फैसले के खिलाफ है, जिसमें कारखाने को एमएसएमई को सौंपने का निर्णय लिया गया था। एमएसएमई कारखाने के 61 करोड़ रुपए बकाया सहकारिता विभाग को देगी। कृषि मंत्री कैलारस स्थित भूमिया बाबा मंदिर में एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। रास्ते में कैलारस पर उनका कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान मंत्री ने कहा, ÷कैलारस का शक्कर कारखाना चालू होगा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मुझे यहां भेजा है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जौरा के पूर्व विधायक सूबेदार सिंह और वर्तमान विधायक सबलगढ़ की सरला रावत जी हस्ताक्षर अभियान चलाएं और किसान यदि गन्ना उगाएगा तो कारखाना जरूर चालू होगा। यह मेरी जिम्मेदारी है।

20 अगस्त की कैबिनेट में लिया गया फैसला

मप्र की मोहन सरकार की 20 अगस्त की कैबिनेट बैठक में कैलारस शक्कर कारखाने को एमएसएमई को सौंपने का निर्णय लिया गया था। इस फैसले के तहत एमएसएमई कारखाने की 61 करोड़ रुपए की देनदारी सहकारिता विभाग को चुकाएगी, ताकि कारखाने की वित्तीय स्थिति सुधारी जा सके। कैलारस शक्कर कारखाना पहले से ही राजनीतिक विवादों में रहा है। इससे पहले भी कई भाजपा नेताओं ने मंच से इसे चालू करने की घोषणा की थी, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल थे।

आयकर विभाग की जांच में हवाला कनेक्शन

साइंस हाउस के डायरेक्टर के घर एक करोड़ कैश, 900 ग्राम ज्वैलरी सीज

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

आयकर विभाग को साइंस हाउस, डिसेंट मेडिकल्स और अन्य सहयोगी ग्रुप्स के बीच हवाला कनेक्शन का पता चला है। इसके साथ ही साइंस हाउस ग्रुप के डायरेक्टर शैलेंद्र तिवारी के यहां से एक करोड़ कैश और 900 ग्राम ज्वैलरी मिली है जिसे सीज कर दिया गया है। चार दिन रात चलने के बाद खत्म हुई है। बोगस बिलिंग के जरिए सरकार को चपत लगाने वाले साइंस हाउस और उसके सहयोगियों के यहां मंगलवार सुबह से जांच शुरू हुई थी जो शनिवार सुबह तक चली है। कई अधिकारी आज सुबह सात बजे जांच खत्म कर घर और दफ्तर पहुंचे हैं। जांच में सबसे बड़ी बात यह सामने आई है कि साइंस हाउस के संचालक जितेंद्र तिवारी, उसके भाई शैलेंद्र तिवारी के अलावा इस ग्रुप से जुड़े राजेश गुप्ता लालघाटी, डिसेंट मेडिकल्स एमआर -5 कालोनी इंदौर और अन्य सहयोगियों के यहां से 250 करोड़ रुपए से अधिक की टैक्स चोरी और बोगस बिलिंग के दस्तावेज जब्त किए गए हैं। सबसे अधिक गड़बड़ी बोगस बिलिंग के माध्यम से की गई और रूट कर एक देश या प्रदेश से सामान मंगाकर एमपी में सप्लाई किया गया है।

मेट्रो एंकर

राजगढ़ जिले के समलाबेह गांव के परिवारों तक पहुंचा शुद्ध पेयजल

बदली गांव की तस्वीर, महिलाओं को मिला संघर्ष से छुटकारा

भोपाल/राजगढ़, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश के दूरस्थ गांवों में नल से जल पहुंचने से जीवन आसान हो गया है। राजगढ़ जिले की ग्राम पंचायत चाँदपुरा का छोटा-सा दूरस्थ गांव समलाबेह इसका आदर्श उदाहरण है। नल से जल की सुविधा मिलने से यह गांव नई पहचान बन गया है। मोहनपुरा ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत यहां की 130 की आबादी और 26 परिवारों तक घर-घर पाइपलाइन से स्वच्छ पेयजल पहुँच रहा है। पानी की कमी से जूझता यह गांव अब सुविधा, स्वास्थ्य और खुशहाली की ओर अग्रसर है।

कुछ वर्ष पहले तक इस गांव का जीवन बेहद कठिन था। पानी के लिए महिलाओं और बच्चों को रोज़ सुबह-शाम कई किलोमीटर दूर कुओं से पानी लाना पड़ता था। बरसात के मौसम में जब गंदा पानी इन स्त्रोतों में मिल जाता था तो ग्रामीणों को दूषित जल पीना पड़ता था। गर्मियों में गांव में पानी का संकट बढ़ जाता था। सीमित जलस्त्रोतों पर निर्भरता के कारण आए दिन झगड़े की स्थिति भी बनती थी। इन परिस्थितियों से बच्चों की पढ़ाई और ग्रामीणों की आजीविका प्रभावित हो रही थी।

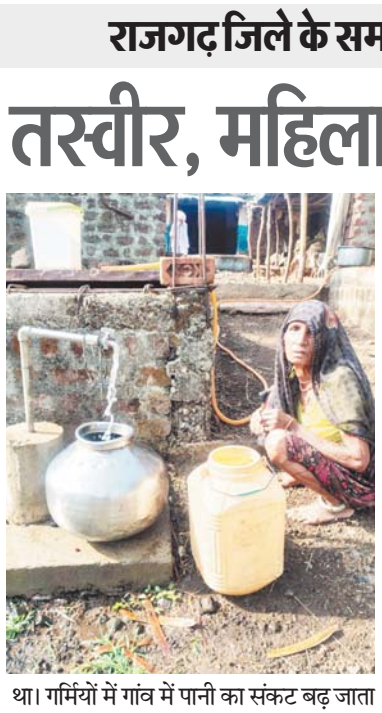

समूह नलजल योजना ने इस गांव की तस्वीर पूरी तरह बदल दी। अब गांव के हर घर में पाइपलाइन से जलापूर्ति हो रही है। 26 घरों को नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जा चुका है। महिलाएँ बताती हैं कि पहले उनका आधा दिन पानी ढोने में ही निकल जाता था। अब यही समय परिवार और अन्य कार्यों को दे पा रही हैं। बच्चों को भी पानी लाने के काम से मुक्ति मिली है और उनकी पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी है। स्वास्थ्य के स्तर पर भी बड़ा बदलाव आया है। पहले बारिश के दिनों में डायरिया, उल्टी-दस्त और अन्य जलजनित बीमारियाँ आम थीं। अब ग्रामीण साफ पेयजल का उपयोग कर रहे हैं, जिससे बच्चों और बुजुर्गों का स्वास्थ्य बेहतर हुआ है और इलाज पर होने वाला खर्च भी कम हो गया है।

नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. क्रेमर ने भी की सराहना

जल जीवन मिशन से ग्रामीण स्वास्थ्य संकेतकों में भी व्यापक सुधार परिलक्षित हो रहा है। स्वच्छ जल की आपूर्ति होने से विशेष रूप से बच्चों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। हाल ही में नोबेल पुरस्कार विजेता अमेरिकी विकास अर्थशास्त्री डॉ. माइकल रॉबर्ट क्रेमर ने राज्य की विकास रणनीतियों पर चर्चा करते हुए मध्यप्रदेश की इस पहल पर प्रसन्नता जाहिर की कि जल जीवन मिशन द्वारा ग्रामीण घरों में जल उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने अपने अध्ययन का हवाला देते हुए कहा यदि परिवारों को पीने के लिए सुरक्षित जल उपलब्ध कराया जाए तो लगभग 20त्न शिशु मृत्यु दर को कम किया जा सकता है। नवजात शिशु, जल जनित बीमारियों के प्रति संवेदनशील होते हैं। बच्चों से संबंधित हर चार में से एक मृत्यु सुरक्षित जल उपलब्ध कराकर रोकी जा सकती है।

दोपहर मेट्रो

भोपाल, रविवार, 07 सितंबर 2025

फिटनेस फोकस

फिट बॉडी औरअच्छी सेहत के लिए जरूरी है बायोहैकिंग डाइट

बायोहैकिंग डाइट को फॉलो करके आप स्मार्ट तरीके से वेट लॉस करने के अलावा अपनी सेहत का भी ख्याल रख सकते हैं। इससे आपकी ओवरऑल हेल्थ में भी कई अच्छे बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इस पर्सनलाइज्ड डाइट को फॉलो करना भी आपके लिए काफी आसान होगा? बैलेंस डाइट से हमारी बॉडी फिट रहती है और हम हेल्दी वेट मेंटेन कर पाते हैं। हालांकि कुछ लोग इस बात को लेकर दुविधा में रहते हैं कि ऐसा क्या खाएं जिससे उनकी बॉडी फिट रहे और सेहत भी बनी रहे। आजकल ऐसे कई तरीके मौजूद हैं जिनसे आप अपने हेल्थ गोल्स को पूरा कर सकते हैं और इन्हीं में से एक है बायोहैकिंग। क्लिनिकल एंड फंक्शनल न्यूट्रिशन के एक्सपर्ट बताते हैं कि बायोहैकिंग एक पर्सनलाइज्ड डाइट होती है जिसे फॉलो करना आपके लिए काफी आसान हो सकता है। बायोहैकिंग डाइट का फायदा दुनिया भर के लोग उठा रहे हैं। कई फिटनेस एक्सपर्ट्स भी लोगों को इसे अपनाने की सलाह दे रहे हैं।

क्या है बायोहैकिंग डाइट?

बायोहैकिंग डाइट वह है जिसे आप अपनी बॉडी के अनुसार पर्सनलाइज्ड कर सकते हैं। इसमें आप अपने खाने के समय में बदलाव कर सकते हैं साथ ही खाने -पीने की कुछ चीजें डाइट में शामिल कर सकते हैं या फिर उनसे परहेज कर सकते हैं। इस तरह के बदलाव करने के बाद आप इस बात पर बारीकी से नजर रखें कि आपकी बॉडी किस तरीके से रेस्पॉन्ड कर रही है। बायोहैकिंग डाइट में आप कुछ समय के लिए इंटरमिटेंट फास्टिंग, कीटो डाइट या एंटीइन्फ्लेमेटरी डाइट को फॉलो करें। आपको यह देखना है कि इनमें से कौन सी डाइट से आपकी बॉडी और दिमाग दोनों बेहतर काम कर रहे हैं। बायोहैकिंग डाइट से सिर्फ वेट लॉस में ही मदद नहीं मिलती बल्कि इससे नींद से जुड़ी परेशानियां भी दूर होती हैं और कई तरह की बीमारियों से भी बचाव होता है।

कैसे फॉलो करें बायोहैकिंग डाइट?

बायोहैकिंग डाइट को सही तरह से फॉलो करने के लिए आप सबसे पहले अपना गोल सेट करें। यानी आप किस वजह से यह डाइट फॉलो करना चाहते हैं जैसे तेजी से वेट लॉस करने के लिए या फिर आप अपनी गट हेल्थ में सुधार चाहते हैं। अब आप एक ऐसी डाइट को फॉलो करें जिससे आपको बेहतर रिजल्ट मिल सके। आप चाहें तो इंटरमिटेंट फास्टिंग से लेकर कीटो और एलिमिनेशन डाइट आदि फॉलो कर सकते हैं। ध्यान रहे लंबे समय तक आप किसी भी डाइट को फॉलो ना करें बल्कि इनसे आने वाले बदलावों को अच्छी तरह से नोटिस करें। इससे आपको मालूम पड़ेगा कि कौन सी डाइट आपको सूट कर रही है और कौन सी नहीं।

डाटा जरूर ट्रैक करें

जब आप अपनी डाइट में बदलाव करेंगे तो इसका असर आपकी बॉडी पर जरूर पड़ेगा। ऐसे में आपके लिए क्या सही है और क्या नहीं यह जानना आपके लिए बेहद जरूरी है। इसके लिए आपको डाटा ट्रैक करना होगा। आप मोबाइल एप्स की मदद से डाटा ट्रैक सकते हैं। वहीं स्मार्ट वॉच से आप अपनी नींद और दूसरी एक्टिविटीज को मॉनिटर कर सकते हैं। आप शरीर में आ रहे बदलावों को समझ कर यह डिसाइड कर सकते हैं कि आपके लिए कौन सी डाइट बेहतर है।

बायोहैकिंग के लिए सबसे अच्छा भोजन

अगर अच्छी सेहत के साथ आप हेल्दी वेट मेंटेन करना चाहते हैं तो आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि आप जो भी डाइट फॉलो कर रहे हैं वह आपके हेल्थ गोल्स को पूरा करने में आपकी मदद करें और आपको भरपूर पोषण भी दे। इसके लिए आप उन सारी चीजों का सेवन करें जो अच्छी हेल्थ के लिए जरूरी होती है जैसे फाइबर, प्रोटीन, कैल्शियम, हेल्दी फैट्स आदि। हो सके तो आप अपने डाइट एक्सपर्ट से डाइट चार्ट भी बनवाएं।

फिटनेस एक्सपर्ट से भी सलाह लें

आप जो डाइट फॉलो कर रहे हैं अगर उससे आपके शरीर में अच्छे बदलाव आ रहे हैं और आप बेहतर महसूस कर रहे हैं तो आप उसे कंटिन्यू रख सकते हैं नहीं तो आप दूसरी डाइट को एक हफ्ते के लिए ट्राई कर सकते हैं। यदि आपको इस दौरान किसी भी तरीके की समस्या हो रही है तो आप अपने डॉक्टर या न्यूट्रीशनिस्ट से सलाह जरूर लें।

टेक्नो-अपडेट

सिर्फ चैटबॉट ही नहीं अब जॉब दिलाने में भी मददगार ओपन एआई

अब ओपन एआई सिर्फ चैटजीपीटी यानी एक चैटबॉट बनाने वाली कंपनी नहीं बल्कि लोगों को नौकरी दिलवाने वाली कंपनी भी बनने वाली है। दरअसल, ओपनएआई लिंक्डइन की तरह ही एक जॉब पोर्टल बनाने जा रहा है, जो आर्टिफिशियल टेक्नालॉजी यानी एआई की मदद से लोगों को नौकरी दिलवाने में मदद करेगा। कंपनी ने अपने इस प्लेटफॉर्म का नाम ओपन एआई जॉब्स प्लेटफार्म रखा है। इस प्लेटफॉर्म के जरिए जॉब देने वाली कंपनी और जॉब ढूंढने वाले लोग आपस में जुड़ पाएंगे । इस प्रोसेस में एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा, ताकि नौकरी ढूंढने वाले और नौकरी देने वाले दोनों को परफेक्ट मैच मिल पाएगा।

कौन-कौन जुड़ रहा है इस प्रोजेक्ट से?

ओपनएआई की एप्लिकेशन्स के सीईओ फिड्जी सिमो ने अपने एक ब्लॉग पोस्ट में बताया कि वो इस प्रोजेक्ट पर कई बड़ी कंपनियों के साथ काम कर रहे हैं- जैसे John Deere, Walmart, Accenture, और Boston Consulting ग्रुप इतना ही नहीं, कुछ स्टेट गवरमेंट्स और कम्यूनिटी ऑर्गेनाइजेशन भी इस पहल में शामिल हैं, ताकि लोगों को सही नौकरी मिल सके। छोटे बिजनेस और लोकल गवर्नमेंट्स भी इस प्लेटफॉर्म्स से जुड़ सकेंगे और उन्हें भी एआई टैलेंट तक का एक्सेस मिलेगा। इसका मतलब अब सिर्फ बड़ी कंपनियों का ही खेल नहीं रहेगा। इस मामले में छोटे प्लेयर्स भी मैदान में उतर सकेंगे।

सीखने वालों के लिए भी है मौका

ओपनएआई ने यह भी बताया है कि वो अपने OpenAI Academ4 के ज़रिए लोगों को AI Certifications देगा. ये एकेडमी पहले से ही 2 मिलियन से ज़्यादा यूज़र्स को ट्रेनिंग दे चुकी है. अब इसमें नए कोर्स आएंगे - जैसे AI का बेसिक इस्तेमाल, फॉर्मेट इंजीनियरिंग और प्रांप्ट इंजीनियरिंग। ओपन AI का टारगेट है कि 2030 तक 10 मिलियन लोगों को ये सर्टिफिकेशन दे दिया जाए। इसमें उनके पार्टनर्स जैसे वॉलमार्ट भी मदद करेंगे। ओपनएआई के सीईओ सैम अल्टमैन ने इस प्लेटफॉर्म के बारे में बताया है कि इसे अगले साल लॉन्च किया जाएगा। इसके अलावा सैम ने जानकारी दी है कि Fidji Simo सिर्फ इस जॉब प्लेटफॉर्म पर ही नहीं, बल्कि कुछ और बड़े प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रही हैं। इनमें एक नया ब्राउज़र और एक सोशल मीडिया ऐप भी शामिल है, जिसकी चर्चा पिछले काफी वक्त से चल रही है। इसका मतलब है कि आने वाले वक्त में ओपनएआई सिर्फ एआई चैटबॉट यानी चैटजीपीटी के लिए ही नहीं बल्कि अपने एआई जॉब पोर्टल, वेब ब्राउज़र और सोशल मीडिया ऐप के लिए भी लोकप्रिय हो सकता है।

जीवन -ज्योति

सिस्टर शिवानी

दस संकल्प, जो रखेंगे लाइफ बैलेंस्ड और हेल्दी

गुस्सा हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर डालता है। जी हां, जब कोई इंसान गुस्से में होता है तो उसके शरीर में ब्लड का फ्लो तेजी से होने लगता है और इससे ब्लड प्रेशर की समस्या बढ़ जाती है। इतना ही नहीं गुस्सा करने से दिमाग पर भी एक्स्ट्रा स्ट्रेस पड़ता है और आपको बेवजह तनाव और डिप्रेशन होता है। ऐसे में अक्सर लोगों का सवाल रहता है कि हम अपने गुस्से को किस तरह से कंट्रोल करें, ताकि हम एक हेल्दी और बैलेंस लाइफ जी सकें, तो कुछ संकल्प हैं जिनके माध्यम से हम शांतचित्त रह सकते हैं। सबसे पहला संकल्प तो यह कि मैं शक्तिशाली आत्मा हूं। अपने आप से यह बात बार-बार दोहराएं कि आप एक शक्तिशाली आत्मा हैं, जो पॉजिटिविटी से भरी हुई है। दूसरा संकल्प जो आपको अपने आप से करना है, वह यह कि मैं शांत हूं, मैं स्थिर हूं। किसी भी सिचुएशन में अपने आपको शांत करने के लिए मन में इस बात को दोहराएं कि मेरा मन शांत है और मैं स्थिर हूं। तीसरा संकल्प जो आपको खुद से करना चाहिए वह यह कि मैं निडर हूं और निश्चिंत हूं। अगर आप निडर और निश्चिंत होकर किसी काम को करेंगे, तो आपका दिमागी प्रेशर कम होगा और आप बीमारियों से भी बच सकते हैं। चौथा संकल्प यह कि अगर आप हेल्दी और हमेशा खुश रहना चाहते हैं, तो हर सिचुएशन में यह बात दोहराएं कि मेरा शरीर निरोगी है और हमेशा रहेगा। जब आप खुद को फिट और हेल्दी मानेंगे, तो बीमारियां आपके दिमाग में घर नहीं करेंगी। पांचवा और सबसे जरूरी संकल्प जो आपको अपने आप से करना है वह ये कि मैं सदा खुश हूं, कोई भी परिस्थिति हो अच्छी या बुरी हमेशा आपको यह बात अपने मन में दोहरानी है कि मैं हर परिस्थिति में खुश रहूंगा और मैं खुश हूं। आपकी सराउंडिंग और आपके परिवार के लिए है, जिनसे मजबूत रिश्ते बनाने के लिए आप छठवां संकल्प लें कि मेरे रिश्ते मजबूत और प्यारे हैं और मेरी हर सिचुएशन में मेरे साथ हैं। सातवां संकल्प आपको अपने आप से करना है कि आपका घर स्वर्ग है।

जब आप अपने घर को स्वर्ग मानेंगे तो पॉजिटिविटी हमेशा रहेगी।आठवां संकल्प यह कि मेरे पास भरपूर धन है। जब आप अपने आप में संतुष्ट होंगे और यह संकल्प लेंगे कि जितना भी है मेरे पास भरपूर धन है, तो आपको संतुष्टि रहेगी। नवां संकल्प परमात्मा का सुरक्षा कवच मेरे चारों तरफ है। जब आप परमात्मा को अपने चारों तरफ महसूस करेंगे, तो आपको कभी भी कोई चिंता नहीं सताएगी। दसवां संकल्प यह होना चाहिए कि मेरी सफलता निश्चित है। जब आप इस आत्मविश्वास के साथ अपने काम को करेंगे, तो आपका माइंड कंट्रोल रहेगा और आपको सक्सेस जरूर मिलेगी।

चंद्र ग्रहण: योग, अध्यात्म और जीवन पर समग्र प्रभाव

■ योग गुरु महेश अग्रवाल

चंद्रमा और मानव जीवन का अद्भुत संबंध है। आदिकाल से ही मनुष्य ने आकाशीय पिंडों के साथ गहरा संबंध अनुभव किया है। सूर्य जहाँ जीवन की ऊर्जा और प्रकाश का स्रोत माना जाता है, वहीं चंद्रमा को शीतलता, शांति, भावनाओं और मन का स्वामी कहा गया है। भारतीय परंपरा में चंद्रमा केवल एक खगोलीय पिंड नहीं, बल्कि जीवन-रस का स्रोत और मानसिक संतुलन का प्रतीक है।

यही कारण है कि जब चंद्रमा पर कोई असाधारण घटना घटती है - जैसे कुल चंद्र ग्रहण - तो उसका प्रभाव केवल आकाश तक सीमित नहीं रहता, बल्कि मानव जीवन, प्रकृति, साधना, धर्म और समाज तक फैलता है। विशेषकर जब यह ग्रहण Blood Moon का रूप ले लेता है, तो उसकी रहस्यमयता और भी गहरी हो जाती है।

कुल चंद्र ग्रहण क्या है?

खगोलशास्त्रीय दृष्टि से चंद्र ग्रहण तब होता है जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आकर सूर्य के प्रकाश को चंद्रमा तक पहुँचने से रोक देती है। आंशिक चंद्र ग्रहण में केवल चंद्रमा का एक भाग छाया में होता है। आंशिक छाया ग्रहण (Penumbral Eclipse) में हल्का धुंधलापन दिखाई देता है। परंतु कुल चंद्र ग्रहण तब होता है जब चंद्रमा पूरी तरह पृथ्वी की गहन छाया में आ जाता है।

कुल ग्रहण के दौरान सूर्य का प्रकाश सीधे चंद्रमा तक नहीं पहुँचता, बल्कि पृथ्वी के वायुमंडल से होकर गुजरता है। वायुमंडल में नीली और हरी किरणें छितरा जाती हैं जबकि लाल किरणें मुड़कर चंद्रमा पर पड़ती हैं। यही कारण है कि उस समय चंद्रमा लाल या ताम्रवर्णी दिखाई देता है, जिसे [illegible] कहा जाता है।

एस्ट्रो वॉच

Blood Moon : रहस्य और प्रतीकात्मकता - रक्तिम चंद्रमा का दर्शन सदैव रहस्य और रोमांच से भरा रहा है। भारतीय दृष्टि से यह काल आत्मशुद्धि और साधना का प्रतीक है। पश्चिमी मान्यताओं में Blood Moon कभी-कभी भविष्यवाणियों या बड़े सामाजिक परिवर्तन का द्योतक माना जाता है। योग और अध्यात्म की दृष्टि से यह भीतर झाँकने और अंतर्यात्रा करने का समय है। चंद्रमा मन का प्रतीक है। जब वह लालिमा लिए दिखाई देता है, तो यह अवचेतन भावनाओं और संस्कारों के उभरने का संकेत माना जाता है। यह समय साधक को अपने भीतर की दबी हुई प्रवृत्तियों को देखने और रूपांतरित करने का अवसर देता है।

धर्मग्रंथों में चंद्र ग्रहण

भारतीय शास्त्रों में ग्रहण को केवल खगोलीय घटना नहीं, बल्कि दैवीय और दैत्य शक्तियों के संघर्ष का परिणाम बताया गया है।पौराणिक कथा के अनुसार राहु - केतु ने अमृत पान किया था, और जब भगवान विष्णु ने उन्हें पकड़कर सिर काटा, तो वे छाया ग्रह बन गए। जब-जब सूर्य या चंद्रमा इनके पास आते हैं, वे उन्हें ग्रस लेते हैं - यही ग्रहण है। मनुस्मृति और अन्य ग्रंथों में ग्रहणकाल को पवित्र माना गया है। इस समय स्नान, जप, दान, उपवास आदि का विशेष महत्व बताया गया है। महाभारत और रामायण में भी ग्रहण का उल्लेख आता है। शास्त्रों के अनुसार ग्रहण का समय मंत्र-साधना, तप और उपासना के लिए अत्यंत फलदायी होता है, क्योंकि उस समय प्रकृति की सूक्ष्म ऊर्जा प्रवाहमान रहती है।

योग व साधना पर प्रभाव

योगशास्त्र चंद्रमा को मन और इड़ा नाड़ी का स्वामी मानता है। चंद्र ग्रहण के समय - मन की तरंगों में असामान्य उतार-चढ़ाव आते हैं। साधना से मन को गहराई में ले जाना आसान हो जाता है। प्राण ऊर्जा का प्रवाह विशेष रूप से प्रभावित होता है। ध्यान, मंत्र-जप, प्राणायाम और मौन साधना इस समय कई गुना फल देती है।योगियों के लिए यह समय आत्मशक्ति जागरण और सुषुप्त ऊर्जा के प्रकट होने का अवसर है।

ग्रहण काल की धार्मिक परंपराएँ

भारत में ग्रहण के समय अनेक धार्मिक नियम माने जाते हैं। उपवासः ग्रहण से पहले उपवास रखा जाता है, ताकि शरीर हल्का और शुद्ध बना रहे। मंत्र-जाप इस समय किया गया जप सामान्य समय की तुलना में कई गुना फलदायी माना गया है। स्नान व दानः ग्रहण के पश्चात स्नान करके दान करने का विशेष महत्व बताया गया है। **गर्भवती स्त्रियों के लिए सावधानीः** प्राचीन परंपरा में उन्हें ग्रहणकाल में बाहर न जाने और तेज वस्त्र-उपकरण न रखने की सलाह दी जाती है। धार्मिक दृष्टि से यह समय आत्मशुद्धि और पुण्य अर्जन का अवसर माना गया है।

वैज्ञानिक अनुसंधान बताते हैं कि चंद्रमा का प्रभाव समुद्र की ज्वार - भाटाओं पर पड़ता है। मानव शरीर में लगभग 70% जल होने के कारण चंद्रमा का प्रभाव हमारे शरीर पर भी होता है। ग्रहण के समय पाचन क्रिया मंद पड़ सकती है, इसलिए भारी भोजन से बचना उचित है। रक्तचाप और नींद के चक्र पर हल्का प्रभाव देखा गया है। आयुर्वेद मानता है कि ग्रहण काल में वात और कफ दोष बढ़ सकते हैं। योग दृष्टि से यह समय शरीर को शुद्ध करने और हल्का रखने का है।

मन पर प्रभाव और भावनात्मक परिवर्तन

चंद्रमा को मन का स्वामी कहा गया है। पूर्णिमा के समय मन में उत्तेजना और उत्साह बढ़ता है। अमावस्या में मन अंतर्मुखी और शांत होता है। परंतु ग्रहण के समय मन में विचित्र अस्थिरता और बेचैनी हो सकती है। आधुनिक मनोविज्ञान भी मानता है कि चंद्रमा के चक्र मानव की नींद, मूड और भावनाओं को प्रभावित करते हैं। Blood Moon के दौरान व्यक्ति को - पुराने संस्कार, भय या स्मृतियाँ उभर सकती हैं। अवसाद या बेचैनी की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। लेकिन यदि व्यक्ति योग और ध्यान करे, तो यही ऊर्जा उसे आत्मबोध की ओर ले जा सकती है।

अध्यात्म व साधना में ग्रहण का विशेष महत्व ग्रहण को साधना का पर्व माना गया है। संत-महात्माओं का अनुभव है कि इस समय किया गया ध्यान सामान्य समय की अपेक्षा कई गुना फलदायी होता है। मंत्र-जपः विशेषकर गायत्री मंत्र, महा मृत्युंजय मंत्र और ? नमः शिवाय का जप अत्यधिक प्रभावी होता है। ध्यानः मन स्वतः गहराई में उतर जाता है। साधक के लिए अवसरः अवचेतन की गहराइयों में जाकर आत्मशुद्धि करना। यह समय अंतर्यात्रा और आत्मबोध का द्वार खोल देता है।

योगाभ्यास और ग्रहण- विशेष अनुशासन - योग परंपरा में ग्रहणकाल में कुछ विशेष अनुशासन बताए गए हैं - आसन अभ्यास कम से कम करना और केवल हल्के आसन करना।प्राणायाम व ध्यान पर अधिक ध्यान देना। मौन साधना में रहना। इस समय भोजन न करना श्रेष्ठ है। योगी इस काल को अमूल्य साधना का अवसर मानते हैं।

ग्रहण और सामाजिक-सांस्कृतिक मान्यताएं

भारत में ग्रहण केवल खगोल घटना नहीं, बल्कि एक सामाजिक - धार्मिक पर्व है। लोग एकत्र होकर मंत्र-जप करते हैं। मंदिरों के द्वार बंद कर दिए जाते हैं और ग्रहण पश्चात शुद्धिकरण किया जाता है। गाँवों और कस्बों में यह सामूहिक चेतना का रूप ले लेता है। लोक मान्यताओं में ग्रहण को शुभ-अशुभ घटनाओं से जोड़ा जाता है। यद्यपि वैज्ञानिक दृष्टि अलग है, फिर भी यह हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है।

ग्रहण की ऊर्जा और चेतना का शुद्धिकरण- ग्रहण को नकारात्मक ऊर्जा का समय माना जाता है, परंतु वास्तव में यह समय शुद्धिकरण का अवसर है। बाहर का अंधकार भीतर के अंधकार की ओर संकेत करता है। जब हम भीतर की नकारात्मकता को पहचानकर साधना से रूपांतरित करते हैं, तो चेतना शुद्ध होती है। यह काल हमें अंधकार से प्रकाश की ओर यात्रा की प्रेरणा देता है।

वर्तमान वैज्ञानिक नजरिया

विज्ञान चंद्र ग्रहण को केवल खगोलीय घटना मानता है। इसमें कोई अलौकिक शक्ति नहीं होती। गर्भवती स्त्रियों पर प्रभाव वैज्ञानिक रूप से सिद्ध नहीं है। भोजन न करने की परंपरा को पाचन और स्वास्थ्य की दृष्टि से उचित ठहराया जा सकता है। इस प्रकार, विज्ञान और परंपरा दोनों की दृष्टि से ग्रहण का महत्व अलग-अलग है, परंतु दोनों मिलकर हमें जीवन की गहराई समझने का अवसर देते हैं।

नर्मदा घाट पर बड़ी संख्या में उमड़े लोग, 21 सितंबर तक चलेगा श्राद्धपक्ष

सोलह श्राद्ध की शुरुआत आज से... पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने पूर्वजों को किया जल अर्पण- तर्पण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

आज भादों माह की पूर्णिमा से सोलह श्राद्ध की शुरुआत हो गई है। सुबह से लोगों ने नर्मदा घाट पर पहुंचकर अपने पूर्वजों को जल अर्पण व तर्पण शुरू कर दिया है। सेठानी घाट पर ब्राह्मणों द्वारा विधि विधान मंत्रोच्चार के साथ तर्पण कराया जा रहा है। यह क्रम सुबह से दोपहर तक जारी रहेगा है। वहीं कुछ लोगों ने मंगलवारा घाट, विवेकानंद घाट, और कोरी घाट पर भी पहुंचकर तर्पण किया। कुशा घास से तर्पण किया जा रहा है। यहां पर प्रतिदिन सैंकड़ों की संख्या में लोग श्रद्धाभाव से तर्पण करते हैं। तर्पण का यह सिलसिला 21 सितंबर पितृमोक्ष अमावस्या तक जारी रहेगा।

घरों में अब मांगलिक कार्य निषेध

पितृपक्ष शुरू होते ही अब मांगलिक कार्य नहीं होंगे। पंडित रामेश्वर शर्मा ने बताया कि 16 दिन तक चलने वाले श्राद्धपक्ष के दौरान लोग पितरों को श्रद्धा के साथ याद कर रहे हैं। प्राचीन मान्यता के अनुसार इन 16 दिन हमारे पूर्वज पितृलोक से पृथ्वी लोक पर आते हैं। ऐसे में श्राद्ध के 16 दिन में लोग अपने पितरों को जल अर्पण करते हैं और उनकी मृत्यु तिथि पर श्राद्ध करते हैं, इसलिए इन दिनों में कोई विशेष मांगलिक कार्य नहीं होते हैं।

पितृ ऋण से मिलती है मुक्ति: पंडित शर्मा

पंडित शर्मा ने बताया कि श्राद्ध करने से घर में दुख की निवृत्ति होती है और सुख मिलता है। पितरों की पूजा करके मनुष्य आयु, पुत्र, यश, कीर्ति, स्वर्ग और धन, धान्य प्राप्त करता है। देवकार्य से भी पितृकार्य का विशेष महत्व है। देवताओं से पहले पितरों को प्रसन्ना करना अधिक कल्याणकारी माना गया है। श्राद्ध शब्द श्रद्धा से बना है। जो श्राद्ध का प्रथम अनिवार्य तत्व है। अर्थात पितरों के प्रति श्रद्धा तो होनी ही चाहिए। आश्विन कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से अमावस्या तक का समय श्राद्ध या महालय पक्ष कहलाता है। इस अवधि के 16 दिन पितरों लिए तय किए गए हैं।

गाजे-बाजे पर नाचते-गाते निकले गणपति, नम आंखों से दी विदाई

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

10 दिन चलने वाले गणेश उत्सव का समापन हो गया है। अनंत चतुर्दशी पर सहित आसपास के अंचलों में गणेशोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। साथ ही पंडालों और घरों में विराजमान भगवान गणेश की प्रतिमाओं को पवित्र नदी के घाटों पर पहुंचकर श्रद्धालुओं ने विसर्जन किया। विसर्जन से पहले गणपति का ढोल-नगाड़े, डीजे के साथ धूमधाम से नगर में चल समारोह निकाला।

नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों एवं घरों में गजानंद की स्थापना की गई थी। गणपति बप्पा मोरिया के जयकारों के साथ अनंत चतुर्दशी के दिन विधि, विधान, पूजन ,अर्चन कर श्री गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन बेतवा नदी पर किया गया। जहां नगरपालिका कर्मचारी ओर पुलिस कर्मियों द्वारा बेतवा नदी के पुल से सभी छोटी गणेश जी की प्रतिमाओं को विसर्जन श्रद्धालुओं द्वारा किया गया। वहीं बड़ी प्रतिमाओं को क्रेन की सहायता से नपा कर्मियों द्वारा बेतवा नदी के पुल से विसर्जन किया गया। देर रात तक गणपति बप्पा को विसर्जन करने का दौर चलता रहा नगर में अनेकों स्थानों पर झांकी लगाने वाले नागरिकों द्वारा गणपति बप्पा का चल समारोह निकाला जिसमे डीजे और डोल धमाकों रंग गुलाल के साथ गणपति बप्पा के मोरिया के जयकारों के साथ गणेश जी को विसर्जन करने के लिए ले जाया गया। चौक चौराहों सहित बेतवा नदी के आसपास गणेश विसर्जन के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। गंज स्थित बेतवा नदी पर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन के दौरान प्रशानिक अधिकारी, पुलिस बल, यातायात पुलिस, नपा अधिकारी, कर्मचारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। बप्पा की बिदाई से समय कई लोगों की नम थी क्योंकि 10 दिन तक चले गणपति उत्सव के दौरान घरों सहित नगर में बप्पा के उत्सव की खूब धूम रही। श्रद्धालुओं का कहना है कि गणपति जी के विसर्जन के बाद घर ओर पंडाल सूने हो गए। बिदाई के समय श्रद्धालु भावुक नजर आए। नगर में अलग अलग स्थानों पर श्री गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

हाइवे पर आतंक: आधी रात को गाड़ियों पर पत्थर फेंक रहे बदमाश, मची दशहत

श्योपुर, दोपहर मेट्रो

कराहल थाना क्षेत्र में श्योपुर-शिवपुरी स्टेट हाइवे नोनपुरा घाटी के पहले अज्ञात बदमाशों ने सडक पर पत्थर रखकर पहले तो रास्ता बाधित किया और फिर यहां से गुजर रहे वाहनों पर पथराव किया और लाठी से हमला भी किया। हालांकि वाहन चालकों की सूझबूझ से लूट या अन्य गंभीर वारदात घटित नहीं हुई, लेकिन बीते 4 दिन (पहली 3 सितंबर और दूसरी 6 सितंबर की रात) में एक ही जगह, एक ही तरीके की दूसरी वारदात से इस हाइवे से रात में गुजरने वाले लोगों में दहशत है।

वहीं मामले में कराहल पुलिस ने रात को ही संदिग्धों को उठाया भी, लेकिन शनिवार की दोपहर को पूछताछ बाद छोड़ दिया गया। इसके साथ ही के मामले में शनिवार की सुबह स्वयं पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन भी पहुंचे और मौका मुआयना करने के साथ ही पुलिसकर्मियों से मामले की जानकारी ली। मामले में पुलिस दो एंगल से जांच कर रही है, जिसमें पहला ये कि कहीं वास्तविक बदमाशों का तो कोई मूवमेंट नहीं है और दूसरा एंगल ये कि इस तरह का घटनाक्रम कर भय पैदा करने का कोई षड़यंत्र तो नहीं है।

लावारिस लाशों का गढ़ बना उज्जैन बढ़ते आंकड़े खुद कर रहे इसकी पुष्टि

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

शहर लावारिस लाशों का गढ़ बनता जा रहा है, इस बात की पुष्टि यहां मिल रहे लाशों के आंकड़े खुद कर रहे हैं। शहर में लावारिस लाशों का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है और हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि अब यह सामाजिक और प्रशासनिक चिंता का विषय बन गया है। समाजसेवी और लावारिस शवों का अंतिम संस्कार करने वाले अनिल डागर के अनुसार जहां पहले एक साल में महज 30-35 लावारिस शव मिलते थे, वहीं इस साल केवल 3 माह में ही 96 शव पुलिस थानों के माध्यम से पहुंचे हैं।

इतना ही नहीं, अगस्त से 5 सितंबर तक यानी महज 36 दिनों में 30 से अधिक लाशों का अंतिम संस्कार किया गया है। सबसे ज्यादा शव महाकाल और देवासगेट थाना क्षेत्रों से मिले हैं।

तीन माह में ही 96 शव थानों के माध्यम से मिले

इन थाना क्षेत्रों में मिले शव

महाकाल-11, कोतवाली-7, देवासगेट-18, जीवाजीगंज-7, चिमनगंज-6, नीलगंगा-5, खाराकुआं-1, भैरवगढ़-11, नरवर-7, माधवनगर-1, नागझिरी-1, थमहल-1, राघवी-1, तराना-9, घट्टिया-4, पंवासा-2, चिंतामन-3, जीआरपी-1।

इसको लेकर प्रशासन और नगर निगम की लापरवाही पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

हालांकि तत्कालीन निगमायुक्त आशीष पाठक ने लावारिस लाशों के तेजी से बढ़ते आंकड़े को लेकर पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर ये शव कहां से आ रहे हैं इस बारे में जानकारी निकालने की बात कहीं थी, परंतु बाद में का स्थानांतरण हो गया और मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

सेंट्रल किचन में तैयार हो रहा था घटिया भोजन

सीईओ के निरीक्षण में मिली खामियां, वेतन काटने के निर्देश

सतना, दोपहर मेट्रो

जिला पंचायत सीईओ संजना जैन ने सेंट्रल किचन का निरीक्षण किया। यहां पर गुणवत्ताहीन भोजन बनाया जाना मिला। किचन में गंदगी के बीच खाना बनाया जा रहा था। इस पर कर्मचारियों को जमकर फटकार लगाई गई। साथ ही मौके का पंचनामा बनवाया। यह भी पाया कि विभिन्न नगरीय निकायों में पृथक से सेन्ट्रल किचन न खोलकर सतना शहर से ही खाना भेजा जा रहा है। यह एग्रीमेंट के विपरीत था। इस पर जिपं सीईओ ने संबंधित संचालक को नोटिस जारी किया है। सीईओ ने हिरौंदी विद्यालय के मध्याह्न भोजन का औचक निरीक्षण किया। यहां छात्र संख्या के मान से कम भोजन बनाया गया था। इस पर रसोइये का वेतन काटने सहित समूह को भुगतान नहीं करने के निर्देश दिए।

विद्यालय में बच्चों की क्लास भी उन्होंने ली। शैक्षणिक स्तर काफी कमजोर पाया गया। शैक्षणिक अमले को फटकार लगाई और पठन पाठन में सुधार लाने के निर्देश दिए। जिपं सीईओ ने निर्मला ज्योति महिला मंडल द्वारा संचालित सेंट्रल किचन का औचक निरीक्षण भी किया। यहां अधपके चावल एवं कच्ची दाल ज्यादा पानी वाली पाई गई। सब्जी में कुम्हड़े एवं आलू की गीली सब्जी पाई गई। इसमें आलू और कुम्हड़े के छिलके तक नहीं निकाली गए थे। भोजन की गुणवत्ता काफी खराब मिली। रसोई घर में काफी गंदगी मिली और भोजन पहुंचाने वाले कंटेनर भी खराब मिले। खाद्यान्न सामग्री का रखरखाव भी सही नहीं मिला। नियमानुसार एगमार्क मसालों का उपयोग किया जाना चाहिए लेकिन खुले गुणवत्ताहीन मसाले प्रयोग में लाए जा रहे थे। कर्मचारी न तो एप्रिन पहने थे न ही टोपी लगाए थे। आटा गूंथने की मशीन में मकडी के जाले लगे मिले।

यहां के कर्मचारियों ने बताया कि सतना से ही कोठी, बिरसिंहपुर, जैतवारा, उचेहरा और नागौद नगर पंचायत में भोजन बना कर भेजा जा रहा है। जिपं सीईओ ने कहा कि एग्रीमेंट के अनुसार तो इन नगर पंचायतों में पृथक से सेन्ट्रल किचन संचालित करना है। यहां से कैसे खाना बना कर भेज रहे हो। ऐसे में तो खाना ठंडा होगा साथ ही गुणवत्ता भी प्रभावित होगी। इस पर संचालक को जमकर फटकार लगाई। साथ ही इन्हें नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

भजन संध्या में लड़कियों के ठुमके पर नोटों की बारिश, देखकर भड़की जनता

शिवपुरी, दोपहर मेट्रो

जिले में गणेश विसर्जन के दौरान जमकर ठुमके लगे हैं। यहां पर लड़कियों ने आपत्तिजनक डांस किया है। जिसके बाद से लोगों में आक्रोश है। जिले में गणेश पंडाल में भजन संध्या के कार्यक्रम में जमकर ठुमके लगे हैं। इस कार्यक्रम में फिल्मी गानों पर लड़कियों ने आपत्तिजनक डांस किया है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसके बाद लोगों में आक्रोश है।

कुछ लोगों का आरोप है कि यह कार्यक्रम करैरा नगर परिषद ने आयोजित किया था। जबकि नगर परिषद के सीएमओ का कहना है कि यह हमारा कार्यक्रम नहीं था। सीएमओ गोपाल गुप्ता ने बताया कि यह कार्यक्रम नगर परिषद का आधिकारिक आयोजन नहीं था। उन्होंने स्पष्ट किया कि परिषद ने इस आयोजन की अनुमति नहीं दी थी और इसकी जांच की जाएगी।

मेट्रो एंकर सतना जिले में सांप के काटने की घटना लेकर गांव में छाया मातम

छीन्दा खम्हारिया खुर्द में 24 घंटे में दो सगी बहनों को सर्प ने काटा, मौत

सतना, दोपहर मेट्रो

जिले में जनजीवन दोहरी मार झेल रहा है। एक तरफ आसमान से बारिश आफत बनकर गिर रही है, तो वहीं दूसरी तरफ नीचे सोते हुए लोगों के लिए सर्प काल बनकर घूम रहे हैं। जानकारी के अनुसार सतना जिले से घटना सामने आई है। यहां एक जहरीले सांप ने 24 घंटे के अंदर दो सगी बहनों को मौत की नींद सुला दिया। हैरानी की बात ये है कि सांप ने दोनों बहनों को एक ही स्थान पर काटा। 24 घंटों में दोनों बेटियों की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में दोनों बच्चियों की मौत के बाद मातम पसरा हुआ है।

दिल को झकझोर देने वाली घटना सतना जिले के छीन्दा खम्हारिया खुर्द गांव का ही है। जहां रहने वाले जमीदार साहू की दो सगी बेटियों के लिए एक जहरीला सांप काल बन गया। दो अलग अलग रातों में 24 घंटों के अंदर जहरीले सांप ने पहले छोटी बेटी और फिर बड़ी बेटी को डस लिया जिससे उनकी मौत हो गई।

महिला को करैत सांप ने काटा

सतना में एक गर्भवती महिला को घर में सोते वक्त सबसे जहरीले सांपों में से एक करैत सांप ने डस लिया। सांप के जहर के कारण महिला व उसके गर्भ में पल रहे नवजात की जान खतरे में थी। परिजन तुरंत महिला को अस्पताल लेकर पहुंचे,बेहद नाजुक हालत होने के कारण महिला को वेंटिलेटर पर रखा और वेंटिलेटर पर ही उसकी डिलीवरी कराई। अब महिला व बच्चा दोनों की जान खतरे से बाहर है। सर्प काटने की घटनाएं अब जनता को खतरा बनी हैं।

जहरीले करैत सांप ने दोनों को डसा

सर्प मित्र शंखधर तिवारी ने बताया कि दोनों बार हमला करने वाला सांप करैत प्रजाति का हो सकता है, जो बेहद जहरीला माना जाता है। यह अक्सर घरों के अंदर घुस आता है। हालांकि अब तक सांप का रेस्क्यू नही हो पाया है।तमाम कोशिशों के बावजूद सर्प मित्र और वन विभाग की टीम सांप में रेस्क्यू करने असफल रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि गांव में सांप निकलना आम बात है, लेकिन लगातार दो दिनों तक एक ही परिवार की दो बच्चियों को शिकार बना लेना बड़ी घटना है।

कलेक्टर से कार्रवाई की मांग

वकील को कमरे में बंद करवाया और स्टाफ से करवाई कुटाई

शहडोल, दोपहर मेट्रो

सोहागपुर तहसील कार्यालय में एक वकील की पिटाई हुई है। आरोप है कि तहसीलदार ने कमरे में बंद कर स्टाफ से पिटाई करवाई है। इसके बाद वकीलों ने कलेक्टर से मिलकर इसकी शिकायत की है। उन्होंने जांच का भरोसा दिया है। शहडोल बीती शाम मुख्यालय की तहसील सोहागपुर में तहसीलदार के पास एक वकील जमानत के लिए गए थे। इस दौरान तहसीलदार और वकील के बीच बहस हो गई। तहसीलदार ने वकील को कमरा बंद करवा कर अपने अधीनस्थ कर्मचारियों से पिटवाया। मामले में राजस्व अधिवक्ता संघ ने सोहागपुर तहसीलदार को हटाने के लिए शहडोल कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर अपना विरोध जताया है। अधिवक्ता संघ ने कहा है कि यदि तहसीलदार को हटाया नहीं गया तो सोमवार से राजस्व विभाग के न्यायालय प्रकरणों का अधिवक्ता संघ बहिष्कार करेगा। दरअसल, तहसीलदार सुमित गुर्जर के ऊपर राजस्व अधिवक्ता रविन्द्र जायसवाल के साथ मारपीट का आरोप लगा है। इस मामले की राजस्व अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी ने कलेक्टर के यहां जाकर लिखित शिकायत की है और विरोध जताया है।

डाभीया खेड़ा में वॉशिंग मशीन से निकला किंग कोबरा सांप

बुरहानपुर, दोपहर मेट्रो

बुरहानपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक घर के अंदर वॉशिंग मशीन के अंदर से किंग कोबरा सांप बाहर निकला है, जिसे देखकर घर वालों के होश उड़ गए। इस सांप का वीडियो भी सामने आया है। नेपानगर तहसील के डाभीया खेड़ा में एक घर में वॉशिंग मशीन में किंग कोबरा सांप निकला। सांप को पकड़ने के लिए सर्प विशेषज्ञ खेम सिंह राठौड़ को बुलाया गया। सर्व विशेषज्ञ खेम सिंह राठौर ने किंग कोबरा सांप को नियंत्रित कर उसे सुरक्षित पकड़कर जंगल में छोड़ा।

सर्प विशेषज्ञ का कहना है कि बारिश के मौसम में अक्सर सांप सुरक्षित स्थान की तलाश में जंगल से निकलकर घरों में चले जाते हैं। किंग कोबरा दुनिया के सबसे खतरनाक सांपों में से एक है।इसकी फुफकार जोरदार और डरावनी होती है, और यह अपने फन को फैलाकर डराने की कोशिश करता है। यह इंसानों से आमतौर पर बचता है, लेकिन अगर उकसाया जाए तो खतरनाक हो सकता है। अगर ये काट ले और तुरंत इलाज (एंटी-वेनम) न मिले, तो मृत्यु की संभावना बहुत अधिक होती है। हालांकि, समय पर चिकित्सा सहायता से बचाव संभव है।

शिप्रा से थाना प्रभारी का शव बरामद

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

तेज बारिश के कारण देशभर में नदियां उफान पर हैं। महाकाल की नगरी उज्जैन में भी शिप्रा नदी का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। बीती रात पुलिस की एक कार नदी में गिर गई, जिसमें में थाना प्रभारी अशोक शर्मा, एसआई मदनलाल निनामा और महिला पुलिसकर्मी आरती पाल सवार थे। थाना प्रभारी शर्मा का शव मंगलनाथ क्षेत्र में मिला है, वहीं अन्य दो पुलिसकर्मियों की तलाश की जा रही है। पिछले 11 घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। यह हादसा देर रात लगभग 9.30 बजे हुआ। शिप्रा नदी के बड़े पुल से गुजरते हुए कार अचानक नदी में गिर गई।

उज्जैन के एसपी प्रदीप शर्मा के अनुसार, गुराड़िया सांग से एक महिला लापता हो गई थी। तीनों पुलिसकर्मी उसी महिला की तलाश में निकले थे। वो चिंतामण क्षेत्र की तरफ जा रहे थे। इस दौरान शिप्रा नदी का बड़ा पुल पार करते समय उनकी कार नीचे गिर गई। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हालांकि, शिप्रा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है और बहाव काफी तेज है, जिसके कारण बचाव अभियान में कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

देवल पंचायत सरपंच की हत्या के मामले का खुलासा

सरपंच की बेरहमी से की गई थी हत्या, नेताओं के करीबी बताए जा रहे दोनों आरोपी गिरफ्तार

सागर, दोपहर मेट्रो

जिले के बीना में एक सरपंच की बेरहमी से हत्या की गई है। बीना-भानगढ़ थाना इलाके के भानगढ़ रोड पर गुरुवार शाम कार से पीछा कर रहे आरोपियों ने बाइक सवार देवल पंचायत के सरपंच लाखन सिंह यादव को पीछे से टक्कर मारी और घसीटते हुए ले गए। इस घटनाक्रम में सरपंच लाखन सिंह की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी। मामले में पुलिस ने कार सवार आरोपियों पर मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। आरोप लगाया जा रहा है कि वारदात को अंजाम देने वाले दोनों आरोपी बीना से भाजपा विधायक निर्मला सप्रे के करीबी हैं।

घटनाक्रम के अनुसार गुरुवार की शाम को बीना से बाइक से गांव जाते समय देवल पंचायत के सरपंच लखन यादव को कार सवार आरोपी सुरेंद्र यादव और शोभरण यादव जो पीछा करते हुए भानगढ़ रोड पर टक्कर मारी और बाइक सवार सरपंच को घसीटते हुए ले गए, जिससे सरपंच की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में फरियादी प्रमोद यादव की शिकायत पर आरोपी सुरेंद्र यादव और सोवरण यादव पर हत्या का केस दर्ज किया था। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद मृतक का पोस्टमार्टम कराया और शव परिजन के सुपुर्द कर दिया।

मृतक सरपंच लाखनसिंह यादव

ये हैं हत्या के आरोपी सोवरन और सुरेन्द्र

जमीन को लेकर चल रहा था विवाद

बताया जा रहा है कि इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी सोवरन यादव और सुरेंद्र यादव बीजेपी के सदस्य हैं। चर्चा है कि देवल ग्राम पंचायत में गौशाला स्वीकृत हुई थी, जिसकी जमीन के कब्जे को लेकर सरपंच लाखन और आरोपियों के बीच विवाद चल रहा था। चर्चा यह भी है कि गौशाला की स्वीकृति में बीना विधायक की भूमिका थी। लिहाजा इस हत्या के बाद बीना विधायक निर्मला सप्रे की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, पुलिस मामले की जांच कर रही है। फिलहाल, बीना पुलिस अभी इस मामले में कुछ भी बोलने से बच रही है।

ग्वालियर में भाजपा और बसपा के समर्थक कांग्रेस में हुए शामिल, प्रदेश अध्यक्ष ने दिलाई सदस्यता

पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी, यह कारवां रुकने वाला नहीं है: जीतू पटवारी

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं का मोहभंग कब किससे हो जाए यह कोई तय नहीं है। हाल ही में ग्वालियर के साहेब सिंह गुर्जर के नेतृत्व में आए भाजपा और बसपा समर्थकों को अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कांग्रेस की सदस्यता दिलाई है। इस मौके पर पटवारी ने कहा, ग्वालियर में कांग्रेस की ताकत अब और बढ़ गई है। बीजेपी और बसपा से मोहभंग होकर जो कार्यकर्ता हमारे साथ जुड़े हैं, उससे प्रदेश को बचाने में पार्टी को नई ऊर्जी मिलेगी। उन्होंने कहा, यह कारवां रुकने वाला नहीं है।

इस दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए जीतू पटवारी ने मछली गैंग के साथ सोशल मीडिया में वायरल हो रहे फोटो और वीडियो को लेकर कहा कि ड्रग माफिया के साथ मंत्री गाड़ी में घूम रहे है। लेकिन जब में नशे के खिलाफ सवाल करता हूं तो मेरे पुतले जलाए जाते हैं। वहीं जीएसटी रिफॉर्म को पर कहा, भाजपा को 10 साल यह समझ आया है कि जब अर्थव्यवस्था का नाश कर दिया है।

पड़ताल में जुटा प्रशासन

मृत व्यक्ति के खाते में चार साल से जा रही पेंशन जिम्मेदारों को नहीं भनक

निवाड़ी। दोपहर मेट्रो

प्रदेश को यूं ही अजब- गजब नहीं कहा जाता, यहां कारनामे ही कुछ ऐसे होते हैं जो हैरान करने वाले होते हैं। निवाड़ी जिले के शक्तिभैरव गांव में एक मृत व्यक्ति के खाते में चार साल तक पेंशन जाती रही। जनसुनवाई में यह हैरानी वाला मामला सामने आने पर कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ने इसकी जांच के निर्देश जिला पंचायत सीईओ को दिए हैं। जिला पंचायत उपाध्यक्ष गयादीन अहिरवार ने ग्रामीणों के साथ जनसुनवाई में कलेक्टर से शिकायत करते हुए बताया कि ग्राम पंचायत शक्ति भैरव में तत्कालीन पंचायत सचिव श्याम सुंदर चौरसिया की लापरवाही से सन 2019 में मृत व्यक्ति के खाते में 4 साल तक पेंशन आती रही। यह मामला अधिकारियों के संज्ञान में आने के बाद भी लापरवाह कर्मचारियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। शक्ति भैरव के तत्कालीन सचिव श्यामसुन्दर चौरसिया की लापरवाही से तुलसा पत्नी डरेले कोरी के खाते में चार साल बाद भी पेंशन आती रही।

गणेश की प्रतिमाओं का किया विसर्जन

सागर। अनंत चतुर्थी पर श्री गणेश की प्रतिमाओं का धूमधाम से विसर्जन किया गया। ढोल, बैंड, अखाड़ा दल और गणपति बप्पा मोरीया के जय घोष के साथ झांकियां निकली। इस दौरान सुरक्षा व यातायात व्यवस्था के तमाम इंतजाम किए गए थे। दोपहर बाद शुरू हुआ विसर्जन देर रात तक चलता रहा। नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री के निर्देशानुसार नगर निगम के अधिकारियों ने श्री गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए लेहदरा नाका स्थित बड़ी नदी पर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ ही स्वच्छता रखने के लिए तैयारी की थी। विसर्जन के लिए हाईड्रा मशीन, नाव, वोट लगाई गई थी। इसके साथ ही नगर निगम द्वारा संजय ड्राइव, चकराघाट,गुलाब बाबा मंदिर के पास एवं लेहदरा नाका घाट पर प्रतिमाओं को एकत्रित करने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली लगाई थी । नगर निगम द्वारा संजय ड्राइव के पास काकागंज वार्ड स्थित महलबार देवी मंदिर के पास प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु कृत्रिम कुंड का निर्माण भी किया था। नागरिकों ने कुंड में प्रतिमाओं का विसर्जन किया।

शिक्षकों की भूमिका पर किया संवाद

सागर। पंडित रविशंकर शुक्ल शास हासे विद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर शैक्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षक सुमित सिंह राठौड़ ने कहा कि शिक्षक का सम्मान घर से शुरू होता है, माता-पिता का धैर्य, संवेदनशीलता और सकारात्मक दृष्टिकोण ही बच्चे को सही मार्ग दिखा सकता है। अशोक पटेल ने शिक्षक की गोद में उत्थान पलता है कविता सुनाई। शिक्षिका पूजा खरे ने कहा कि हम बेटियों को शिक्षित कर रहे हैं जो दोनों कुलों को रोशन करती हैं। स्वाति चौकसे ने अपनी कविता में कहा कि शिक्षक देश की आन-बान-शान हैं। रिंकी राठौर ने हिम्मत हारे मत बैठो गीत प्रस्तुत किया। मीनाक्षी पटैल ने राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डाला। छात्राओं द्वारा श्रीफल एवं कलम भेंटकर शिक्षकों का सम्मान किया गया। विद्यालय में शिक्षकों द्वारा एक नई पहल करते हुए आवश्कता वाली छात्राओं के लिए गणवेश वितरित की गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेंद्र प्रताप तिवारी तथा प्रभारी शिक्षिका मालिनी जैन, रंजीता जैन सरोज जैन ने शाल, श्रीफल एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर अतिथियों का स्वागत किया।

एसडीएम के बाबू का रिश्वत लेते वीडियो हुआ वायरल

सिवनी/मालवा, दोपहर मेट्रो

एसडीएम कार्यालय में पदस्त बाबू का रिश्वत लेते वीडियो वायरल की दिनभर नगर में चर्चा का विषय बना रहा। बताया जाता है कि एसडीएम कार्यालय में पदस्थ यह बाबू मूल विभाग कृषि उपज मंडी का कर्मचारी है, जो एसडीएम कार्यालय में अटैच है ! हालांकि वीडियो पुराना बताया जा रहा है वीडियो में दो युवकों से बात करने के दौरान साहू बाबूजी 300 रुपए लेते हुए दिखाई दे रहे हैं रिश्वत देने वालों ने 200 की उधारी भी की है जो वीडियो में देखा और सुना जा सकता है हालांकि हम इस वीडियो की पुष्टि नहीं करते हैं ! लेकिन तहसील कार्यालय में रिश्वत का खेल खुलेआम चल रहा है बगैर लेनदेन का कोई भी काम नहीं किया जा रहा है आलम यह है कि अब जनता को कानून का डंडा अपने हाथ मे लेकर इस प्रकार के वीडियो बनाकर वायरल कर रहे हैं अब इस पर क्या कार्रवाई होगी अभी कुछ भी कह पाना संभव नहीं है।

ईद-मिलाद-उन-नबी के जुलूस में भड़काऊ नारे के मामले में जिला कांग्रेस ने नेताओं को दिए नोटिस

सागर, दोपहर मेट्रो

ईद-मिलाद-उन-नबी के पर्व पर निकाली गई वाहन रैली में सिर तन से जुदा जैसे भड़काऊ नारे को लेकर कांग्रेस ने पार्टी के नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा है। कांग्रेस प्रवक्ता आशीष ज्योतिषी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन मंत्री संजय कावले के आदेशानुसार जिला शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेश जाटव ने पिछले दिनों ईद मिलादुन्नबी पर्व पर मुस्लिम समाज द्वारा निकाली गई वाहन रैली के दौरान भड़काऊ नारे लगाने और सामाजिक सद्भाव खराब करने पर पूर्व ब्लाक अध्यक्ष सदर मंडल फिरदोश कुरैशी और जिला शहर महामंत्री शहवाज कुरैशी को कारण बताओ नोटिस जारी करके तीन दिन में जबाव मांगा है. जवाब ना देने की स्थिति में एक तरफा कार्यवाही

तीन दिन में जवाब दो नहीं तो होगी एकतरफा होगी कार्रवाई

की जायेगी यह भी नोटिस में स्पष्ट किया गया है। उन्होंने बताया कि कमेटी ने यह भी स्पष्ट किया है कि अन्य दोषी पम्मा कुरैशी(कसाई) कांग्रेस पार्टी के सदस्य नही है. जिला शहर कांग्रेस कमेटी का इस वाहन रैली से कोई संबंध नहीं था.

ईद-मिलाद-उन-नबी के मौके पर सागर में कांग्रेस नेता के नेतृत्व में निकाली गए जुलूस में सिर तन से जुदा... जैसे भड़काऊ नारे लगाकर शहर की फिजा को बिगाड़ने का षड़यंत्र करने के आरोप में पुलिस ने तीन कांग्रेस नेताओं सहित अन्य लोंगों पर केस दर्ज किया है। मामले में पुलिस स्मार्ट सिटी के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि अन्य आरोपियों की पहचान भी हो सके। कोतवाली थाना पुलिस ने सिर तन से जुदा जैसे भड़काऊ नारे लगाकर शहर में धार्मिक माहौल खराब करने का प्रयास करने के आरोप में कांग्रेस नेता पम्मा कसाई, फिरदौश कुरैशी और शाहबाज कुरैशी सहित अन्य के खिलाफ धारा 353,351 (2), 299,196 की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस मामले में तीनबत्ती इलाके के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। वहीं वायरल वीडियो को भी आधार बनाया गया है। इसमें नारेबाजी करने वाले आसामाजिक तत्वों की पहचान कर इनके नाम भी एफआईआर में जोड़े जाएंगे। मुस्लिम समाज से आने वाले नेता पम्मा कसाई, फिरदौश कुरैशी और शाहबाज के नेतृत्व में जुलूस निकाला गया था।

मेट्रो एंकर

सेना के जवान की बाइक को दिल्ली-लखनऊ हाइवे पर वाहन ने मारी थी टक्कर, मौत

मेरठ रेजीमेंट के जवानों ने राजकीय सम्मान से दी अंतिम विदाई

दो दिन की छुट्टी लेकर आए थे घर, रिश्तेदारी में जा रहे थे

सीधी, दोपहर मेट्रो

भारतीय सेना की रिमाउंट वेटरनरी कॉर्प्स (आरवीसी) में पदस्थ प्रदेश के सीधी जिले के लाल की सड़क हादसे में मौत हो गई। जवान दो दिन की छुट्टी लेकर आए थे और अपने एक साथी के साथ रिश्तेदारी में जा रहे थे। तभी दिल्ली लखनऊ हाइवे पर वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर से आर्मी जवान की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। आर्मी जवान का पार्थिव शरीर शनिवार को उनके गृह ग्राम बहरी थाना अंतर्गत खुटेली गांव पहुंचा, जहां मेरठ रेजीमेंट के जवानों की मौजूदगी में राजकीय सम्मान से उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

सीधी जिले के खुटेली गांव के रहने वाले मोहम्मद मुस्ताक साल 2009 में भारतीय सेना की रिमाउंट वेटनरी कॉर्प्स में भर्ती हुए थे और वर्तमान में मेरठ में तैनात थे। मुस्ताक के मामा का घर उत्तर प्रदेश के बाबूगढ़ में है जहां कुछ कार्यक्रम होने के कारण वो दो दिन की छुट्टी लेकर आए थे और बाइक से अपने एक साथी के साथ मामा के घर जा रहे थे। रास्ते में यूपी के हापुड जिले के गांव सिखेड़ा के पास दिल्ली-लखनऊ हाइवे पर उनकी बाइक को एक वाहन ने टक्कर मार दी। जिसके बाद मुस्ताक व उनके घायल दोस्त को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मुस्ताक को मृत घोषित कर दिया। मुस्ताक की मौत की सूचना मिलने के बाद रेजीमेंट के जवान पोस्टमार्टम के बाद उनका पार्थिव शरीर लेकर गृहग्राम पहुंचे।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना शाहजहांनाबाद जिला-भोपाल

क्रमांक/था.प्र./शाह. बाद/भो./अप.क्र.-478/25 दिनांक 04.09.25

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि थाना शाहजहांनाबाद के अपराध क्रमांक 478/25 धारा 137(2) बीएनएस. में अपहृत बालिका नैना जाटव पिता महेश जाटव उम्र 17 साल निवासी म.नं. 09 गली 02 मुर्गी बाजार थाना शाहजहांनाबाद भोपाल व लक्ष्मी चौधरी पिता तारकेशवर चौधरी उम्र 14 साल निवासी म. नं. 09 गली 02 मुर्गी बाजार शाहजहांनाबाद भोपाल का दिनांक 12.08.2025 को दोपहर 12.00 बजे से 1.30 बजे के बीच घर से बिना बताये कहीं चली गई है जिसमें से नैना का हुलिया रंग गोरा, कद करीबन 4.6 फीट, बाल काले व लक्ष्मी का हुलिया रंग गोरा, कद करीबन 4.2 फीट, बाल काले है। जिनका फोटो उपरोक्तानुसार है। यदि इस अपहृत के संबंध में कोई जानकारी हो तो थाना प्रभारी थाना शाहजहांनाबाद, भोपाल के संपर्क नंबर 9479990573 एवं थाने के संपर्क नंबर 0755-2443250 एवं जांच अधिकारी के मोबाईल नंबर 8982233559 पर तत्काल संपर्क करें।

थाना प्रभारी थाना शाहजहांनाबाद
नगरीय पुलिस, भोपाल (म.प्र.)

G-18282/25

हम पर प्रतिबंध लग सकता है...

एशिया कप में भारत-पाक मैच पर बीसीसीआई ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली , एजेंसी

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने स्पष्ट किया कि एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले पर कोई रोक नहीं है। केंद्र सरकार की नीति के अनुसार टीम इंडिया बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में सभी देशों से खेलेगी। मैच से इनकार करने पर भारत पर आईसीसी या एसीसी की पाबंदियां लग सकती हैं। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने स्पष्ट रूप से कहा है कि एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेलने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। उनका ये बयान ऐसे समय में आया है जब कुछ पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने इस बात पर आपत्ति जताई कि चिर-प्रतिद्वंद्वी टीमें 8 देशों के टूर्नामेंट में एक से अधिक बार आमने-सामने हो सकती हैं। हाई-वोल्टेज भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला 14 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा।

भारत-पाक मैच पर कोई रोक नहीं

रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई सचिव ने बताया कि केंद्र सरकार की नीति स्पष्ट है कि भारत बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में पाकिस्तान का सामना कर सकता है। सैकिया ने कहा कि टीम इंडिया केवल द्विपक्षीय सीरीज़ में पाकिस्तान से नहीं खेलेगी, लेकिन बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में किसी तरह का कोई प्रतिबंध नहीं है। सैकिया ने कहा, जहां तक बीसीसीआई का दृष्टिकोण है, हमें वही पालन करना होता है जो केंद्र सरकार औपचारिक रूप से तय करती है। हाल ही में हमारी नीति में साफ लिखा है कि किसी भी बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट या अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत की भागीदारी को लेकर केंद्र सरकार ने कोई रोक नहीं लगाई है।

अमांडा का सपना टूटा

आर्यना सबालेंका लगातार दूसरी बार बनीं यूएस ओपन चैम्पियन

न्यूयॉर्क। वर्ल्ड नंबर-1 बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने यूएस ओपन 2025 में महिला सिंगल्स का खिताब जीत लिया है। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए फाइनल में आर्यना सबालेंका ने यूएसए की अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 7-6 (3) से हराया। सबालेंका को आठवीं वरीयता हासिल अनिसिमोवा के खिलाफ मुकाबला जीतने में 1 घंटा और 34 मिनट लगे।

सबालेंका का ये चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब

आर्यना सबालेंका लगातार दूसरी बार यूएस ओपन चैम्पियन बनी हैं। उन्होंने पिछले साल भी यहां पर खिताब जीता था। 2014 के बाद ऐसा पहला मौका है जब यूएस ओपन के महिला सिंगल्स में किसी खिलाड़ी ने अपना टाइटल डिफेंड किया। सबालेंका का ये चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब रहा।
आर्यना सबालेंका दो बार ऑस्ट्रेलियन ओपन (2023, 2024) भी जीत चुकी हैं। दूसरी तरफ अमांडा अनिसिमोवा लगातार दूसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल खेल रही थीं, लेकिन वो फिर खिताब नहीं जीत सकीं। विम्बल्डन 2025 के वूमेन्स सिंगल्स फाइनल में अनिसिमोव को पोलैंड की इगा स्वियातेक के हाथों 0-6, 0-6 से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी।

एशिया कप में गौतम गंभीर दोनों को एक साथ देंगे चांस?

वरुण की मिस्ट्री और कुलदीप की चाइनामैन बॉलिंग का तोड़ मुश्किल

दुबई, एजेंसी

एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 के लिए भारतीय खिलाड़ी दुबई पहुंच चुके हैं और वो जमकर प्रैक्टिस कर रहे हैं। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में अपने अभियान का आगाज 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ मुकाबले से करेगी। फिर उसे पाकिस्तान (14 सितंबर) और ओमान (19 सितंबर) से भी भिड़ना है।

एशिया कप में टीम इंडिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती सही टीम कॉम्बिनेशन चुनने की होगी। हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के अंडर भारतीय टीम ने टी20 क्रिकेट में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। गंभीर की कोचिंग में भारत ने अब तक 15 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं, जिसमें उसे केवल दो में हार मिली। गौतम गंभीर प्लेइंग-11 में ऑलराउंडर्स को तवज्जो देते हैं, जो उनकी हमेशा से रणनीति रही है। इसी चलते हालिया इंग्लैंड दौरे पर कुलदीप यादव को पांच टेस्ट मैचों से एक में भी भाग लेने का मौका नहीं मिला था। अब एशिया कप के लिए शिवम दुबे का चयन भी इसलिए हुआ है क्योंकि वह जरूरत पड़ने पर कुछ ओवर्स की तेज गेंदबाजी कर सकते हैं।

वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव को एक साथ मिलेगा मौका?

एशिया कप में चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव और मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को प्लेइंग-11 में एक साथ मौका मिलेगा या नहीं, ये सबसे बड़ा सवाल है। अगर जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह दोनों प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होते हैं, तो वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव में से किसी एक को बाहर होना पड़ सकता है। अगर टीम सिर्फ एक विशेषज्ञ तेज गेंदबाज के साथ उतरती है, तो ही दोनों स्पिनर्स खेल सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि गौतम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह ने साथ में कोई टी20 इंटरनेशनल मुकाबला नहीं खेला है। जसप्रीत बुमराह इस समय भारत के सबसे बेस्ट तेज गेंदबाज हैं, वहीं अर्शदीप सिंह ने भारत की ओर से टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट (99) झटके हैं।

साथ में खेले, तो विपक्षी टीम की खैर नहीं!

वैसे वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव साथ में खेलते हैं, तो विपक्षी बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। वरुण की मिस्ट्री गेंदें और कुलदीप की चाइनामैन बॉलिंग की काट खोजना मुश्किल होगा। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में कुछ ऐसा ही हुआ था, जब दोनों ने मिलकर दुबई की पिच पर विपक्षी बैटर्स को परेशान किया और विकेट्स निकाले। भारतीय टीम ने तब न्यूजीलैंड को फाइनल में हराकर खिताब जीता था। इंग्लैंड के खिलाफ इस साल जनवरी-फरवरी में खेली गई टी20 सीरीज में वरुण चक्रवर्ती और लेग-स्पिनर रवि बिश्नोई एक साथ खेले थे। कुलदीप यादव चोटिल होने के चलते तब टीम का हिस्सा नहीं थे। उस सीरीज के दौरान पांचों मैचों में भारतीय टीम ने अपनी प्लेइंग-11 में सिर्फ एक स्पेशलिस्ट तेज गेंदबाज को मौका दिया। ऐसे में हार्दिक पंड्या ने दूसरे छोर से गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभाली। अब एशिया कप में भारतीय टीम उसी रणनीति से उतरती है, तो ही कुलदीप और वरुण चक्रवर्ती एक साथ खेलते नजर आएंगे।

एक को मिल सकती है प्लेइंग इलेवन में जगह

इस बात की ज्यादा संभावना है कि वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव में से किसी एक को ही प्लेइंग-11 में जगह मिलेगी। जबकि अक्षर पटेल दूसरे स्पिनर के तौर पर प्लेइंग-11 का पार्ट हो सकते हैं। साथ ही अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और रिंकू सिंह जैसे पार्ट-टाइम स्पिनर्स भी जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे।

हॉकी एशिया कप: सिर्फ 7 मिनट के हमले में चीन हुआ बर्बाद,

9वीं बार फाइनल में पहुंचा भारत, चीन को 7-0 से रौंदा, खिताबी मुकाबला साउथ कोरिया से

नई दिल्ली , एजेंसी

हॉकी एशिया कप में सुपर-4 स्टेज के आखिरी मैच में भारत और चीन के बीच शानदार मुकाबला खेला गया। बिहार के राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए इस मैच में भारत ने 7-0 के बड़े अंतर से जीत हासिल की और फाइनल का टिकट पक्का कर लिया है। अब 5 बार की चैंपियन साउथ कोरिया से उसकी खिताबी भिड़ंत होगी।

एशिया कप का फाइनल मैच रविवार को खेला जाएगा। भारत का सामना 5 बार की चैंपियन साउथ कोरिया से होगा। इससे पहले साउथ कोरिया ने मलेशिया को 4-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, मलेशिया और चीन की टीमें सुपर-4 स्टेज में 2-2 मैच हारकर बाहर हो गईं।

ऐसे रहा दोनों टीमों के बीच मुकाबला

पहले क्वार्टर में भारत की टीम अटैकिंग हॉकी खेलते नजर आई। चौथे ही मिनट में भारत ने अपना पहला गोल दागकर बढ़त बना ली। फिर 7वें मिनट में टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला। दिलप्रीत सिंह ने रिबाउंड पर गोल दाग दिया। 2-0 के स्कोर के साथ पहला क्वार्टर खत्म हुआ। चीन की टीम पहले क्वार्टर के बाद से ही पस्त नजर आने लगी।

टी20 में अपने दूसरे न्यूनतम स्कोर पर सिमटी श्रीलंका, सिकंदर रजा और ब्रैड इवांस की घातक गेंदबाजी

हरारे। वनडे और टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे दौरे पर गई श्रीलंका का प्रदर्शन शानदार रहा था। वनडे सीरीज जीतने के बाद श्रीलंका ने पहला टी20 मैच भी जीता था, लेकिन हरारे में दूसरे टी20 में श्रीलंका इस फॉर्मेट के अपने दूसरे न्यूनतम स्कोर पर सिमट गई। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया था। इस फैसले को उन्होंने सही साबित किया। उन्हें ब्रैड इवेंस का भी भरपूर सहयोग मिला। श्रीलंका की पूरी टीम 17.4 ओवर में 80 रन पर सिमट गई। कामिल मिशारा 20, कप्तान चरिथ असालंका 18 और दाशुन सनाका 15 के अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में प्रवेश नहीं कर सका। सिकंदर रजा ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 4 ओवर में मात्र 11 रन देकर 3 विकेट लिए। रजा ने विपक्षी कप्तान असालंका, कामिंदु मेंडिस और दुश्मंथा चमीरा का विकेट लिया। र

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर गिरगांव चौपाटी पर गणपति विसर्जन किया गया। इस मौके पर अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर अपनी दोस्त के साथ वहां बप्पा के दर्शन करने आई थी। अभिनेत्री ने बताया कि गणपति विसर्जन के दिन ही उनका जन्म हुआ था। अभिनेत्री ने बताया कि तिथि के अनुसार उनका जन्म गणपति विसर्जन के दिन, 19 सितंबर को हुआ था, जिससे उनका बप्पा के साथ गहरा नाता है।

ईशा कोप्पिकर ने बताया बप्पा से अपना नाता, बोलीं-

मैं गणेश विसर्जन के दिन पैदा हुई थी

अभिनेत्री ने कहा, ÷मैं अपनी दोस्त के साथ गिरगांव चौपाटी पर आई हूं, हर साल की तरह इस बार भी इको-फ्रेंडली गणपति का सत्कार किया जा रहा है। रविवार को यहां सफाई भी होगी, यहां पर इकोफ्रेंडली बप्पा का सत्कार होता है। तो जब तक मैं रह सकती हूं ट्रैफिक शुरू होने से पहले तब तक सबसे मिलकर बप्पा की मूर्तियों का सत्कार करके निकल जाऊंगी। बातचीत में अभिनेत्री ने बप्पा के प्रति अपनी आस्था जाहिर की। उन्होंने कहा, बप्पा मेरे दिल में बसे हैं। मेरा उनसे रिश्ता जन्म से है, क्योंकि मैं उसी दिन पैदा हुई थी, जब बप्पा का विसर्जन होता है। वह मेरे इष्टदेव हैं। मैं शब्दों में नहीं बता सकती कि मैं उनके कितना करीब हूं।÷ उन्होंने बताया कि तीन साल पहले वह डेढ़ दिन के लिए गणपति की स्थापना करती थीं, लेकिन इस साल उन्होंने तीन दिन तक बप्पा को घर पर रखा। अगले साल के लिए उन्होंने कहा कि जैसी बप्पा की मर्जी।

बप्पा के विसर्जन पर भावुक हुई अभिनेत्री

बप्पा के विसर्जन पर भावुक होते हुए उन्होंने कहा, ÷बप्पा के आने से खुशी मिलती है, लेकिन उनके जाने पर मन उदास हो जाता है। मेरा मानना है कि बप्पा के साथ मेरा रिश्ता कुछ दिनों का नहीं, बल्कि जन्मों का है। वह मेरे दिल और दिमाग में हमेशा रहते हैं। इस बार मैंने विसर्जन के समय कम रोने की कोशिश की, लेकिन उनके जाने का दुख तो होता ही है।÷ जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने बप्पा से क्या मांगा, तो अभिनेत्री ने मुस्कुराते हुए कहा, ÷मैं जो मांगती हूं, वह नहीं बताती। लेकिन हां, मैं बप्पा से बिंदास मांगती हूं। जैसे हम माता-पिता से अपनी जरूरतें बताते हैं, वैसे ही बप्पा को भी बताना पड़ता है। हमें लगता है, भगवान को सब पता होता है, फिर भी मैं उनसे अपनी बातें खुलकर कहती हूं।

ऑफ शोल्डर ड्रेस में निधि झा का ग्लैमरस लुक , कैप्शन ने खींचा दीवानों का ध्यान

भोजपुरी सिनेमा की अदाकारा निधि झा एक बार फिर अपने अंदाज और फैशन सेंस से सुर्खियों में हैं। अपने अभिनय और बेबाक व्यक्तित्व के लिए पहचानी जाने वाली निधि झा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी हर पोस्ट को हजारों लाइक्स और कमेंट्स मिलते हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 15 लाख फॉलोवर हैं। उन्होंने अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनका जबरदस्त लुक देखने को मिल रहा है। इस फोटो पर उनका कैप्शन भी फैंस का ध्यान खींच रहा है।

इस तस्वीर में निधि झा एक गोल्डन कलर की ऑफ-शोल्डर वाली लॉन्ग ड्रेस पहने हुए दिखाई दे रही हैं, जो उन्हें अट्रैक्टिव लुक दे रहा है। एक्ट्रेस ने अपने बालों को खुला रखा है, जो एक तरफ से चेहरे पर गिर रहे हैं, जिसमें वह और भी ग्लैमरस दिखाई दे रही हैं। उन्होंने स्टाइलिश सनग्लासेस कैरी किया है और होंठों पर रेड शेड की लिपस्टिक उनके पूरे लुक को और निखार रही है। उन्होंने इस तस्वीर पर मिर्च और हार्ट वाले इमोजी के साथ कैप्शन लिखा, सर्टिफाइड स्पाइस, हैंडल विथ केयर। कैप्शन में उनका आत्मविश्वास और बोल्ड अंदाज दिखाई दे रहा है।

इस पोस्ट पर उनके चाहने वाले जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक ने लिखा होगा, आप तो सच में तीखी हैं, स्क्रीन पर भी और रियल लाइफ में भी!

दिवाने हुए फैंस बोले- बिलकुल दुल्हन लग रही हो

अक्षरा सिंह ने लाल जोड़े में दिखाया पारंपरिक अंदाज

भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री अक्षरा सिंह हमेशा अपने अभिनय के साथ-साथ अपनी खूबसूरती और अंदाज को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं जो हर नए पोस्ट का बेसब्री से इंतजार करते हैं। अब एक बार फिर अक्षरा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ऐसी तस्वीर पोस्ट की है, जिसने उनके चाहने वालों का दिल जीत लिया है। इस बार उन्होंने एक पारंपरिक लाल जोड़े में खुद को पेश किया है और उनके चेहरे की मुस्कान हर किसी का ध्यान खींच रही है। इस तस्वीर में अक्षरा पारंपरिक लाल रंग के भारी कढ़ाई वाले लहंगे में नजर आ रही हैं। उन्होंने मैचिंग ब्लाउज और दुपट्टा पहना हुआ है, जिस पर सुनहरे धागों से खूबसूरत कढ़ाई की गई है। उनके गले में सोने जैसा दिखने वाला हार है और कानों में झुमके उनकी सुंदरता को और भी निखार रहे हैं। बालों को उन्होंने सलीके से पीछे बांधा है और उसमें सफेद फूलों का गजरा लगाया गया है, जो पूरे लुक को एक शाही अंदाज दे रहा है।

पोस्ट में जमकर प्यार बरसा रहे फैंस

चेहरे पर हल्का मेकअप, बंद आंखें और सुकून भरी मुस्कान उनकी शांति और आत्मविश्वास को दर्शा रहे हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, सदाबहार अदा। इस पोस्ट के सामने आने के बाद फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं। कमेंट्स में एक फैन ने लिखा, आप तो बिल्कुल दुल्हन लग रही हो, दूसरे फैन ने लिखा, रानी हो आप भोजपुरी इंडस्ट्री की। कुछ फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि शायद ये किसी नए म्यूजिक वीडियो या फिल्म का लुक है और पूछ रहे हैं कि क्या कोई नया प्रोजेक्ट आ रहा है? वहीं कुछ तो सवाल कर रहे हैं, कहीं ये आपकी शादी की तैयारी तो नहीं? इसके अलावा, कुछ फैंस ने हार्ट इमोजी और फायर इमोजी के जरिए अपने जज्बात जाहिर किए।

जीतू पटवारी के इंदौर स्थित बंगले में घुसे 5 नकाबपोश बदमाश

इंदौर, दोपहर मेट्रो

[illegible]

ताले तोड़े, लेकिन कुछ ले नहीं गए

[illegible]

अन्य घरों में भी घुसे, जालियां काट दीं

[illegible]

तेजस्वी के घर पर हुई बैठक, जल्द ही बताई जाएगी सीटों की संख्या

इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे पर बनी सहमति, झामुमो और पशुपति शामिल

पटना, एजेंसी

[illegible]

सीट शेयरिंग पर बनी सहमति!

[illegible]

तेजस्वी ने बिहार सरकार पर साधा निशाना

[illegible]

नए दलों के जुड़ने से बढ़ी गठबंधन की ताकत

[illegible]

कोलॉसी ऑफ मेमनन : मिस्र की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर

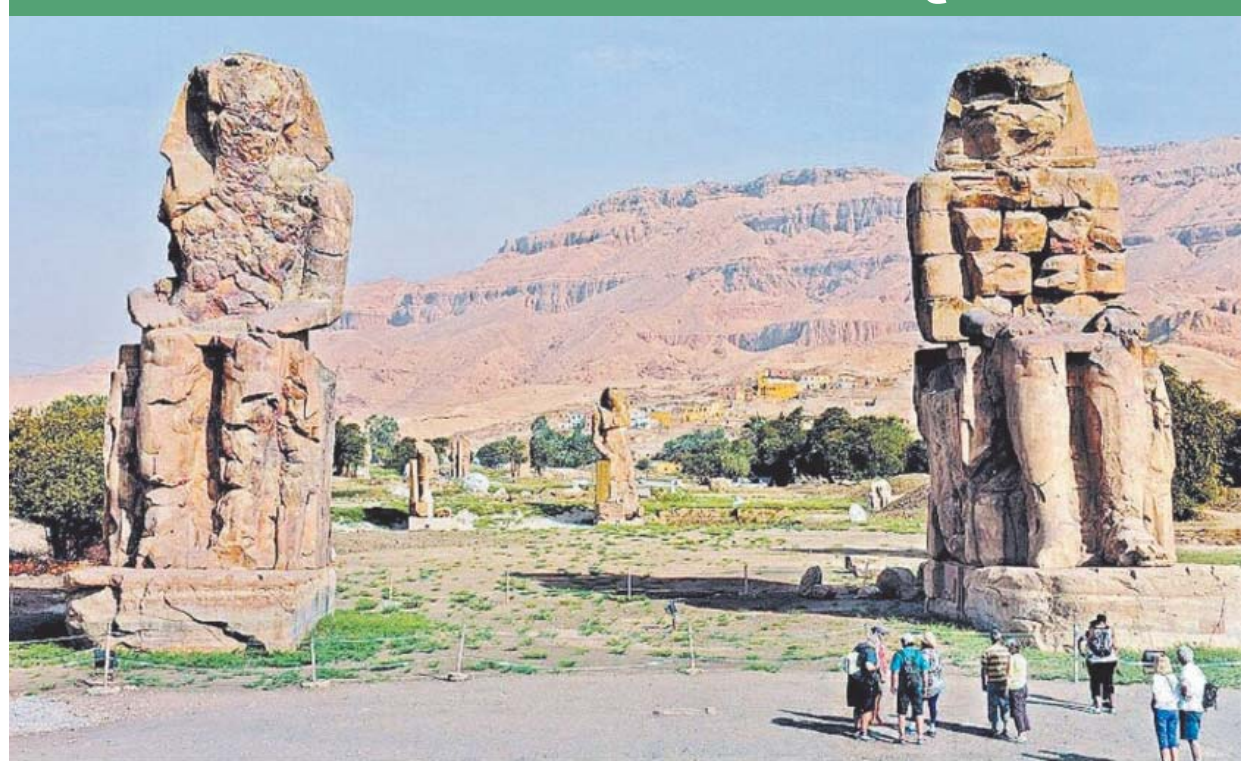

मिस्र की नील घाटी में खड़े यह दो विराट पत्थर की प्रतिमाएं 'कोलॉसी ऑफ मेमनन' कहलाते हैं। इन्हें लगभग 1350 ईसा पूर्व फिरौन अमेनहोटेप तृतीय के विशाल स्मारक मंदिर के प्रवेश द्वार पर स्थापित किया गया था। समय के साथ मंदिर नष्ट हो गया, पर ये प्रतिमाएं अब भी अडिग खड़ी हैं। यूनानी और रोमी यात्रियों के लिए ये अद्भुत दृश्य हुआ करती थीं। उत्तरी प्रतिमा पर यूनानी–रोमी काल के लगभग 107 शिलालेख आज भी अंकित हैं, जिनमें ग्रीक पौराणिक राजा मेमनन का उल्लेख मिलता है। इसी कारण इन मूर्तियों को 'मेमनन' नाम मिला। यह स्थल मिस्र की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर और मानव कला–कौशल का अनुपम उदाहरण है। यह प्रतिमाएं आज भी दुनिया भर के पर्यटकों और शोधकर्ताओं को आकर्षित करती हैं।

नोएडा: बेटे ने किया महिला को मां मानने से इनकार

नोएडा, एजेंसी

[illegible]

खेल के मैदान से लेकर गहन चिकित्सा में भी फिजियोथेरेपी उपयोगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

[illegible]

बोको हराम ने की 60 लोगों की हत्या

[illegible]

अमेरिका में 130 किमी की स्पीड से 'किको' तूफान, इमरजेंसी घोषित

वॉशिंगटन, एजेंसी

[illegible]

तीन दशकों बाद बड़ा खतरा

हवाई इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट में कहा कि यदि यह तूफान अपनी ताकत बरकरार रखता है, तो हवाई को तीन दशकों में पहली बार किसी बड़े तूफान का सामना करना पड़ सकता है। इससे पहले सितंबर 1992 में आए तूफान किकी ने राज्य में काफी तबाही मचाई थी, जो हवाई के इतिहास का सबसे शक्तिशाली और विनाशकारी तूफान था। उस समय इसकी हवाओं की गति 145 मील प्रति घंटे थी।

[illegible]

मेट्रो एंकर

पेट पर हाथ रखे खुद को संभाला, निगाहें नहीं हटा पाया कोई

प्रेगनेंसी की घोषणा के बाद पहली बार दिखीं परिणीति चोपड़ा

मुंबई, एजेंसी

[illegible]

[illegible]

पिछले महीने की थी प्रेगनेंसी की घोषणा

[illegible]

दो साल पहले हुई थी शादी

[illegible]

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेडी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-4917524, 2972022